भीनमाल व मुंबई से एक साथ प्रकाशित एवं 14 राज्यों में प्रसारित होने वाला प्रवासी राजस्थानियों का राष्ट्रीय साप्ताहिक

www.marwarchetna.com

मारवाड़ चेतना

सम्पादक- कन्हैयालाल खण्डेलवाल

RNI NO. 54501/91 ❍ वर्ष-33 ❍ अंकः 10 ❍ भीनमाल, 8 से 14 अगस्त 2023 ❍ पृष्ठः = 12 ❍ मूल्य 10 रूपये

50 जिले, 10 संभाग...

सीएम अशोक गहलोत ने जारी किया राजस्थान का नया नक्शा

जयपुर। राजस्थान सरकार ने शुक्रवार को हुई कैबिनेट मीटिंग में 19 नए जिले और तीन नए संभागों के प्रस्ताव पर मुहर लगा दी। अब प्रदेश में कुल जिलों की संख्या 31 से बढ़कर और संभागों की संख्या सात से बढ़कर 10 हो जाएगी। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने चार अगस्त को प्रदेश का नया नक्शा जारी किया।

सीएम गहलोत ने ट्वीट कर कहा, 'जन भावना का हुआ सम्मान। 50 जिलों का हुआ हमारा राजस्थान। बड़े हर्ष और गर्व के साथ मैं आप सबके साथ राजस्थान का नया नक्शा साझा कर रहा हूं। जय राजस्थान!'

मार्च में की गई थी नए जिलों की घोषणा

राजस्थान में 19 जिलों और तीन संभाग बनाए जाने की घोषणा इस साल मार्च में की गई थी। सीएम गहलोत ने कहा कि एक उच्च स्तरीय समिति का गठन किया गया है, जो नए जिलों के गठन का अध्ययन करेगी।

राजस्थान के 19 नए जिले

अनूपगढ़, बालोतरा, ब्यावर, डीग, डीडवाना, दूदू, फलौदी, गंगापुर सिटी, जयपुर शहर, जयपुर ग्रामीण, जोधपुर शहर, जोधपुर ग्रामीण, केकड़ी, कोटपूतली, खैरथल, नीमकाथाना, सलूम्बर, सांचोर और शाहपुरा।

राजस्थान के तीन नए संभाग

बांसवाड़ा, पाली और सीकर।

राजस्थान का सबसे छोटा जिला

राजस्थान का सबसे छोटा जिला अब दूदू हो गया है। राज्य के पांच जिलों की सीमाएं अब पाकिस्तान से लगेंगी। इनमें बीकानेर, जैसलमेर, बाड़मेर, श्रीगंगानगर और अनूपगढ़ शामिल हैं।

राजस्थान में क्यों किया गया नए जिलों का गठन?

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का कहना है कि नए जिलों के गठन से प्रशासन में सुधार होगा। इससे उन लोगों को राहत मिलेगी, जो जिला मुख्यालय जाने के लिए लंबी दूरी तय करते थे। उन्होंने उच्च समिति का कार्यकाल छह महीने बढ़ाने की भी बात कही।

सीटों के हिसाब से जयपुर सबसे बड़ा संभाग, बांसवाड़ा सबसे छोटा

संभाग- जिले-सीट

जयपुर-जयपुर शहर, जयपुर ग्रामीण, दूदू, दौसा, कोटपूतली-बहरोड़, अलवर, खैरथल

35 विधानसभा सीटें

अजमेर- अजमेर, ब्यावर, नागौर, टोंक, डीडवाना-कुचामन, शाहपुरा, केकड़ी :

25 विधानसभा सीटें

उदयपुर- उदयपुर, चित्तौड़गढ़, राजसमंद, भीलवाड़ा, सलूम्बर

22 विधानसभा सीटें

सीकर- सीकर, झुंझुनूं, चूरू, नीमकाथाना

21 विधानसभा सीटें

जोधपुर-जोधपुर शहर, जोधपुर ग्रामीण, फलौदी, जैसलमेर, बाड़मेर, बालोतरा

19 विधानसभा सीटें

बीकानेर- बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, अनूपगढ़

19 विधानसभा सीटें

भरतपुर- भरतपुर, धौलपुर, करौली, डीग, सवाईमाधोपुर, गंगापुर सिटी

19 विधानसभा सीटें

कोटा - कोटा, झालावाड़, बूंदी, बारां

16 विधानसभा सीटें

पाली- पाली, जालौर, सांचोर, सिरोही

13 विधानसभा सीटें

बांसवाड़ा- बांसवाड़ा, डूंगरपुर, प्रतापगढ़

11 विधानसभा सीटें

जानें-किस जिले में कितनी और कौनसी विधानसभा

अजमेरः 5 विधानसभाएं - अजमेर उत्तर, अजमेर दक्षिण, किशनगढ़, नसीराबाद, पुष्कर

ब्यावरः 3 विधानसभाएं = ब्यावर, मसूदा, जैतारण

केकड़ी : 1 विधानसभा- केकड़ी

अलवरः 6 विधानसभाएं- अलवर शहर, अलवर ग्रामीण, कठूमर, राजगढ़-लक्ष्मणगढ़, थानागजी, रामगढ़

खैरथलः 3 विधानसभाएं- किशनगढ़बास, तिजारा, मुंडावर

बांसवाड़ाः 5 विधानसभाएं- बांसवाड़ा, कुशलगढ़, गढ़ी, घाटोल, बागीदौरा

बारांः 3 विधानसभाएं- अंता, बारां-अटरू, छबड़ा, किशनगंज

बाड़मेर : 4 विधानसभाएं - बाड़मेर, चौहट्टन, शिव, गुढ़ामलानी

बालोतराः 3 विधानसभाएं- पचपदरा, सिवान, बायतू

भरतपुरः 4 विधानसभाएं- बयाना, भरतपुर, नदबई, वैर

डीगः 3 विधानसभाएं- डीग-कुम्हेर, नगर, कामां

भीलवाड़ाः 5 विधानसभाएं- आसींद, भीलवाड़ा, मांडल, सहाड़ा, मांडलगढ़

शाहपुराः 2 विधानसभाएं- जहाजपुर, शाहपुरा

बीकानेरः 6 विधानसभाएं- बीकानेर पूर्व, बीकानेर पश्चिम, डूंगरगढ, कोलायत, लूणकरनसर, नोखा

बूंदीः 3 विधानसभाएं - बूंदी, हिंडौली, केशवरायपाटन

चित्तौड़गढ़ : 5 विधानसभाएं- बड़ी सादड़ी, बेगूं, चित्तौड़गढ़, कपासन, निम्बाहेड़ा

चूरू : 6 विधानसभाएं - चूरू, रतनगढ़, सादुलपुर, सरदारशहर, सुजानगढ़, तारानगर

दौसा : 5 विधानसभाएं - दौसा, लालसोट, बांदीकुई, सिकराय, महवा

धौलपुरः 4 विधानसभाएं- बाड़ी, बासेड़ी, धौलपुर, राजाखेड़ा

डूंगरपुरः 4 विधानसभाएं- आसपुर, चौरासी, डूंगरपुर, सागवाड़ा

गंगानगरः 4 विधानसभाएं- गंगानगर, करणपुर, सूरतगढ़, सादुलशहर

अनूपगढ़ः 3 विधानसभाएं- रायसिंहनगर, खाजूवाला, अनूपगढ़

हनुमानगढ़ : 5 विधानसभाएं- भद्रा, हनुमानगढ़, नोहर, पीलीबंगा, सांगरिया

जैसलमेरः 2 विधानसभाएं- जैसलमेर, पोखरण

जालौरः 3 विधानसभाएं- जालौर, अहोर, भीनमाल

सांचौरः 2 विधानसभाएं - सांचौर, रानीवाड़ा

झालावाड़ः 4 विधानसभाएं- डग, झालरापाटन, खानपुर, मनोहरथाना

करौलीः 3 विधानसभाएं- हिंडौन, करौली, सापोटरा

गंगापुर सिटीः 3 विधानसभाएं - गंगापुर, बामनवास, टोडाभीम

शेष पृष्ठ 2 पर..

19 नए जिलों के उपखण्ड एवं तहसील

मारवाड़ चेतना न्यूजनेटवर्क

जयपुर। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की अध्यक्षता में शुक्रवार को कैबिनेट की अहम बैठक हुई। जिसमें गहलोत कैबनिट ने 19 नए जिले के प्रस्ताव को मंजूरी दी। इसके अलावा 3 नए संभाग बनाए जाने के प्रपोजल को भी स्वीकार कर लिया गया है।

नए तीन संभाग और उनके जिले

सीकर संभाग-

सीकर, झुंझुनूं, नीम का थाना और चूरू जिला शामिल होंगे।

पाली संभाग-

पाली, जालोर, सांचौर और सिरोही जिले शामिल होंगे।

बांसवाड़ा संभाग-

बांसवाड़ा, डूंगरपुर और प्रतापगढ़ जिले शामिल होंगे।

नए जिले और तहसील व उपखंड

1. जयपुर जिला: जयपुर नगर निगम हेरिटेज और ग्रेटर में आने वाला पूरा भाग आएगा। **तहसील-** जयपुर, कालवाड़, आमेर और सांगानेर

2. जयपुर (ग्रामीण) जिले में 13 उपखंड और 18 तहसील होंगी। जयपुर, सांगानेर, आमेर, बस्सी, चाकसू, जमवारामगढ़, चौमूं, सांभर लेक, माधोराजपुरा, रामपुरा डाबड़ी, किशनगढ़, रेनवाल, जोबनेर और शाहपुरा उपखंड में शामिल होंगे। वहीं नगर निगम का इलाका छोड़कर जयपुर, कालवाड़, सांगानेर और आमेर तहसील का हिस्सा भी ग्रामीण में आएगा। इसके अलावा जालसू, बस्सी, तूंगा, चाकसू, कोटखावदा, जमवारामगढ़, आंधी, चौमूं, फुलेरा, माधोराजपुरा, रामपुरा डाबड़ी, किशनगढ़, रेनवाल, जोबनेर और शाहपुरा तहसील में शामिल होगी।

3. दूदू जिले में 3 उपखंड और 3 तहसील होंगी। उपखंड और तहसील में मोजमाबाद, दूदू और फागी शामिल होंगी

4. कोटपूतली-बहरोड़ जिले में 7 उपखंड 8 तहसील शामिल। बहरोड़, बानसूर, नीमराना, नारायणपुर, कोटपूतली, विराटनगर और पावटा उपखंड शामिल होंगे। वहीं बहरोड़, बानसूर, नीमराना, मांढण, नारायणपुर, कोटपूतली, विराटनगर और पावटा तहसील में शामिल होंगे।

5. शाहपुरा

शाहपुरा जिले में 5 उपखंड और 6 तहसील होंगी। शाहपुरा, जहाजपुर, फुलिया कला, बनेड़ा और कोटडी उपखंड शामिल होंगे। वहीं शाहपुरा, जहाजपुर, काछोला, फुलिया कला, बनेड़ा और कोटडी तहसील शामिल होगी।

6. जोधपुर जिला:

जोधपुर तहसील का नगर निगम जोधपुर के तहत आने वाला पूरा भाग होगा।

7. जोधपुर (ग्रामीण)

जोधपुर (ग्रामीण) जिले में 10 उपखंड और 15 तहसील होंगी। जोधपुर उत्तर, जोधपुर दक्षिण, लूणी, बिलाड़ा, भोपालगढ़, पीपाड़ सिटी, ओसियां, बावड़ी, शेरगढ़ और बालेसर उपखंड में शामिल होंगे। वहीं नगर निगम के क्षेत्र को छोड़कर जोधपुर उत्तर और दक्षिण तहसील का हिस्सा होंगे। कुड़ी, भगतासनी, लूणी, झवर, बिलाड़ा, भोपालगढ़, पीपाड़ सिटी, ओसियां, तिंवरी, बावड़ी, शेरगढ़, बालेसर, शेखला और चामू तहसील में शामिल होगी।

8. फलोदी

फलोदी जिले में 6 उपखंड और 8 तहसील होंगी। फलोदी, लोहावट, आऊ, देचू, बाप और बापिणी उपखंड और फलोदी, लोहावट, आऊ, देचू, सेतरावा, बाप, घंटियाली और बापिणी तहसील शामिल होंगी

9. बालोतरा

बालोतरा जिले में 4 उपखंड और 7 तहसील होंगी। बालोतरा, सिवाना, बायतु और सिणधरी उपखंड में शामिल होंगे। पचपदरा, कल्याणपुर, सिवाना, समदड़ी, बायतु, गिड़ा और सिणधरी तहसील शामिल होंगी।

10. ब्यावर जिले में 6 उपखंड और 7 तहसील होंगी। ब्यावर, टॉडगढ़, जैतारण, रायपुर, मसूदा और बदनोर उपखंड शामिल होंगे। ब्यावर, टॉडगढ़, जैतारण, रायपुर, मसूदा, विजयनगर और बदनोर तहसील शामिल होंगे।

11. केकड़ी

केकड़ी जिले में 5 उपखंड और 6 तहसील होंगी। केकड़ी, सावर, भिनाय, सरवाड और टोडारायसिंह उपखंड में शामिल होंगे। केकड़ी, सावर, भिनाय, सरवाड़, टाटोटी और टोडारायसिंह तहसील शामिल होंगे।

12. डीग

डीग जिले में 6 उपखंड और 9 तहसील होंगी। डीग, कुम्हेर, नगर, सीकरी, कामां और पहाड़ी उपखंड शामिल होंगे। डीग, जनूथर, कुम्हेर, रारह, नगर, सीकरी, कामां, जुरहरा और पहाड़ी तहसील शामिल होंगे

13. नीम

नीम का थाना जिले में 4 उपखंड और 5 तहसील होंगी। नीम का थाना, श्रीमाधोपुर, उदयपुरवाटी और खेतड़ी उपखंड और नीम का थाना, पाटन, श्रीमाधोपुर, उदयपुरवाटी और खेतड़ी तहसील शामिल होंगी।

14. डीडवाना

डीडवाना कुचामन जिले में 6 उपखंड और 8 तहसील होंगी। डीडवाना, लाडनूं, परबतसर, मकराना, नागौर और कुचामन सिटी उपखंड और डीडवाना, मौलासर, छोटी खाटू, लाडनूं, परबतसर, मकराना, नावां और कुचामन सिटी तहसील शामिल होंगी।

15. गंगापुरसिटी

गुगापुरसिटी जिले में 5 उपखंड और 7 तहसील होंगी। गंगापुरसिटी, वजीरपुर, बामनवास, टोडाभीम और नादौती उपखंड शामिल होंगे। गंगापुरसिटी, तलवाड़ा, वजीरपुर, बामनवास, बरनाला, टोडाभीम और नादौती तहसील शामिल होंगे।

16. खैरथल

खैरथल-तिजारा जिले में 5 उपखंड और 7 तहसील होंगी। तिजारा, किशनगढ़ बास, कोटकासिम, टपूकड़ा और मुंडावर उपखंड और तिजारा, किशनगढ़ बास, खैरथल, कोटकासिम, हरसोली, टपूकड़ा और मुंडावर तहसील शामिल होंगे।

17. सलूंबर

सलूंबर जिले में 4 उपखंड और 5 तहसील होंगी। सराडा, सेमारी, लसाडिया और सलूंबर उपखंड और सराडा, सेमारी, लसाडिया, सलूंबर और झल्लारा तहसील शामिल होंगे।

18. सांचौर

सांचौरजिले में 4 उपखंड और 4 तहसील होंगी. उपखंड और तहसील में सांचौर, बागोड़ा, चितलवाना और रानीवाड़ा शामिल होंगे।

19 अनूपगढ़

अनूपगढ़ जिले में 6 उपखंड और 7 तहसील होंगी। अनूपगढ़, रायसिंहनगर, श्रीविजयनगर, घड़साना, छत्तरगढ़, खाजूवाला उपखंड शामिल होंगे। अनूपगढ़, रायसिंहनगर, श्रीविजयनगर, घड़सासा, रावला, छत्तरगढ़, खाजूवाला में तहसील शामिल होंगी

सीटों के हिसाब से जयपुर सबसे बड़ा संभाग, बांसवाड़ा सबसे छोटा

शेष पृष्ठ 1 का...

सवाईमाधोपुर : 2 विधानसभाएं - खंडार, सवाईमाधोपुर

कोटा : 6 विधानसभाएं -कोटा उत्तर, कोटा दक्षिण, लाडपुरा, रामगंज मंडी, पीपलदा, सांगोद

नागौर : 5 विधानसभाएं - नागौर, डेगाना, जायल, खींवसर, मेड़ता

डीडवाना-कुचामन : 5 विधानसभाएं - डीडवाना, मकराना, परबतसर, नावां, लाडनू

पाली : 5 विधानसभाएं - बाली, मारवाड़ जंक्शन, पाली, सोजत, सुमेरपुर

प्रतापगढ़ : 2 विधानसभाएं - प्रतापगढ़, धरियावद

राजसमंद : 4 विधानसभाएं - राजसमंद, नाथद्वारा, भीम, कुंभलगढ़

सीकर : 6 विधानसभाएं - दांता रामगढ़, धोद, फतेहपुर, खंडेला, लक्ष्मणगढ़, सीकर

नीम का थाना : 4 विधानसभाएं - खेतड़ी, श्रीमाधोपुर, उदयपुरवाटी, नीम का थाना

झुंझुनूं : 5 विधानसभाएं - झुंझुनूं, मंडावा, नवलगढ़, पिलानी, सूरजगढ़

जोधपुर शहर : 3 विधानसभाएं - जोधपुर, सरदारपुर, सूरसागर

जोधपुर ग्रामीण : 5 विधानसभाएं - लूणी, भोपालगढ़, ओसियां, शेरगढ़, बिलाड़ा

फलौदी : 2 विधानसभाएं - फलौदी, लोहावट

सिरोही : 3 विधानसभाएं - सिरोही, रेवदर, पिंडवाड़ा-आबू

टोंक : 4 विधानसभाएं - देवली-उनियारा, मालपुर, निवाई, टोंक

उदयपुर : 7 विधानसभाएं - उदयपुर शहर, उदयपुर ग्रामीण, गोगुंदा, झाड़ोल, खेरवाड़ा, मावली, वल्लभनगर

सलूम्बर : 1 विधानसभा - सलूम्बर

जयपुर शहर : 8 विधानसभाएं - आदर्श नगर, सिविल लाइंस, हवामहल, झोटवाड़ा, किशनपोल, मालवीयनगर, विद्याधरनगर, सांगानेर

जयपुर ग्रामीण : 8 विधानसभाएं - बस्सी, चाकसू, जम्वा-रामगढ़ा, चौमू, फुलैरा, शाहपुरा, बगरू, आमेर

दूदू : 1 विधानसभा - दूदू

कोटपूतली बहरोड़ : 4 विधानसभाएं - बहरोड़, बानसूर, कोटपूतली, विराटनगर

मर्यादा, लक्ष्मण रेखा में रहने वाला परिवार रहता सुरक्षित-जिनमणिप्रभ सूरिजी

गाड़ी की तरह जीवन में भी स्पीड ब्रेकर, रेड सिग्नल, रिवर्स गियर की बताई उपयोगिता

मारवाड़ चेतना न्यूज नेटवर्क

चेन्नई। श्री मुनिसुव्रत जिनकुशल जैन ट्रस्ट के तत्वावधान में श्री सुधर्मा वाटिका, गौतम किरण परिसर, वेपेरी में शासनोत्कर्ष वर्षावास में धर्मपरिषद् को संबोधित करते हुए गच्छाधिपति आचार्य भगवंत जिनमणिप्रभ सूरीश्वर म. ने कहा कि गाड़ी की सुरक्षा के लिए जैसे रेड सिग्नल, स्पीड ब्रेकर जरूरी है उसी तरह जीवन में भी रेड सिग्नल, स्पीड ब्रेकर, रिवर्स गियर का होना जरूरी है, उसी का नाम है- मर्यादा। मर्यादा परिवार को, स्वयं को सुरक्षित रख सकती है।

हर रावण सीता को उठा कर ले जा सकता है, जब वह लक्ष्मण रेखा को पार कर जाती है। हमारे परिवार की सुरक्षा, संस्कारों के संवर्धन, शील की सुरक्षा के लिए जरूरी है हम लक्ष्मण रेखा का उल्लंघन न करे। उस रेखा के भीतर रहकर हम प्रसन्नता का अनुभव कर सकते है। पंतग तभी तक सुरक्षित है, जब तक उसकी डोर किसी के हाथ में है। वह परिवार भी सुरक्षित रहता है, जो बड़ों की डोर, मर्यादा, लक्ष्मण रेखा में चलता है।

केले के छिलके की तरह

घर में पिताजी सुरक्षा के लिए जरूरी

आचार्यश्री ने कहा कि वर्तमान के सोशियल मीडिया के युग में स्वतंत्रता के साथ स्वच्छंदता बढ़ गई है। उस स्वच्छंदता को मिटाने के लिए हमें स्वयं को अपनी स्वभाविक रुप से मर्यादा बनानी होगी। घरों में जैसे कलैण्डर लगा रहता है, वैसे ही परिवार की मर्यादा का बोर्ड लगा रहना चाहिए। भीतर का केला तभी तक सुरक्षित है, जब तक उस पर छिलका लगा है। वैसे ही हमारी सुरक्षा के लिए पिताजी की मर्यादा जरूरी है। हमारा जीवन, हमारा आचरण, हमारे संस्कार, हमारा धर्म, हमारा समाज भी तभी तक सुरक्षित है, जब तक केले के ऊपर छिलका है। परिवार में जब-जब मर्यादा का उल्लंघन हुआ है, तब-तब उनका जीवन नरक के समान हो जाता है।

श्रावण पूर्णिमा के दिन तीर्थ यात्रा का किया आयोजन

मारवाड़ चेतना न्यूज नेटवर्क

बैगलूरू। राजेन्द्र पूनम ग्रुप के 60 सदस्यों ने प्रथम श्रावण पूर्णिमा के अवसर पर आदाणी तीर्थ यात्रा का आयोजन कर प्रभु भक्ति का लाभ लिया।

ग्रुप के सदस्य रमेश दांतेवाडीया ने बताया कि बैगलूरू से भक्त गण श्रावण की पूर्णिमा के अवसर पर पेद् दतुम्बलम् तीर्थ यात्रा पर गये । वहां पर तीर्थंकर पार्श्र्वमणि पार्श्र्वनाथ की दिन भर सेवा पूजा की । इस यात्रा के आयोजन का लाभ सभी मिल कर सामुहिक रूप से लेते है । वहां पर सभी लोगों ने प्रभु भक्ति का आनंद उठाया । इस दौरान नये नये भक्तों का जुडाव हो रहा है । जिसमें युवा, जवान, महिला, बच्चे एवं वरिष्ठ नागरिक भी सम्मिलित रहे ।

इस अवसर पर सुभाष, रमेश सवाणी, अशोक नाग, रमेश बालर, विक्रम सवाणी, बाबुलाल कबदी, हुकमीचद कांकरीया, दिनेश, पृथ्वीराज, रमेश सोलंकी, जुगराज भंडारी, पंकज, रविन्द्र, गूलाब, संजय मोदी, मनोरमल, हीराचद, जुगराज वेदमुथा, कुमरपाल, जितेन्द्र, गौतम सालेचा, हितेष, चम्पालाल, अभिषेक, हीराचंद वेदमुथा, अनिल, कान्तिलाल, रमेश, जय सदाणी, सीमादेवी, कवीतादेवी, पिकीदेवी, जयश्री, मंजुदेवी, कंचनदेवी, रेनुकादेवी, भागवन्तीदेवी, मंजुलादेवी, संगीता, प्रकाशदेवी, जशोदादेवी, पिकीदेवी सहित कई सुश्रावक एवं सुश्राविका उपस्थित रहे ।

श्री एस के सोमैया विनय मंदिर कॉलेज में आयोजित हुआ ओरिएंटेशन

मारवाड़ चेतना न्यूज नेटवर्क

मुंबई। सोमैया विद्याविहार विश्व विद्यालय, विद्याविहार, मुंबई में स्थित श्री एस के सोमैया विनय मंदिर महाविद्यालय में 5 अगस्त को शाकर बेन सोमैया ऑडिटोरियम में मुख्य अतिथि कैप्टन सुंदर चंद ठाकुर संपादक नवभारत टाइम्स ने विद्यार्थियों को शरीर, मन और विचार से स्वस्थ रहने के टिप्स देते हुए श्वास, सोने, जगने, भोजन के बारे में बताया। प्राचार्या स्मिता भोसले ने श्री ठाकुर का स्वागत किया तथा परिचय डॉ. प्रकाश सोनी ने दिया। सुपरवाइजर श्रीकांत आसार ने उर्मी सोमैया का स्वागत किया।

कार्यक्रम में उच्च अंक प्राप्त विद्यार्थियों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया गया। योग में विश्व रिकॉर्ड बनाने पर डॉ. प्रकाश सोनी का विशेष सम्मान मुख्य अतिथि, प्राचार्या, समन्वयक, कॉलेज कॉर्डिनेटर द्वारा किया गया। प्रथम सत्र का संचालन रीना जॉन ने तथा द्वितीय सत्र का तरुणा पटेल ने किया। संगीता

कार्यक्रम का श्री गणेश दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। निधि नायर ने श्री गणेश वंदना प्रस्तुत की। प्राचार्या ने स्टूडेंट कोंसलिंग कमिटी को शपथ दिलवाई। इस अवसर पर समन्वयिका क्रांति लालवानी, ओरियंटेशन कन्वेनर आरती सुध, स्टाफ सेकेट्री प्रवीण सिंपी सहित कई शिक्षक और विद्यार्थियों की उपस्थिति रही। डॉ सत्येंद्र उपाध्याय ने इंटरनेशनल रिलेशन, जूनियर कॉलेज कॉर्डिनेटर उर्मी ठक्कर, सुशील कुमार गुप्ता ने स्पोर्ट्स, डॉ प्रकाश सोनी ने योग विषय की जानकारी दी।

राजस्थान सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी

राजस्थान: स्थिति, विस्तार, भौतिक स्वरूप एवं आकृति

1.कर्नल जेम्स टॉड द्वारा राजस्थान के इस क्षेत्र के लिए प्रारम्भ में क्या नाम प्रयुक्त किया गया ?
(A) राजपूताना (B) रायथान
(C) राजस्थान (D) इनमें से कोई नहीं

2. जॉर्ज थॉमस द्वारा सन् 1800 में राजस्थान के लिए क्या नाम दिया गया ?
(A) राजपूताना (B) रायथान
© राजस्थान (D) मरू क्षेत्र

3. निम्नलिखित में से परिसीमन के पश्चात् नवगठित लोकसभा क्षेत्र कौन है ?
(A) टोंक (B) राजसमंद
© जयपुर (D) उपर्युक्त सभी

4. राजस्थान गठन से संबंधित निम्नलिखित कौन-सा युग्म असत्य है ?

गठन का चरण	विधि
(A) पहला चरण	18 मार्च, 1948
(B) दूसरा चरण	25 मार्च, 1948
(C) तीसरा चरण	25 मार्च, 1949
(D) चौथा चरण	30 मार्च, 1949

5. 1829 में राजस्थान के लिए 'राजस्थान' नामकरण किसने अपनी प्रसिद्ध कृति में किया है ?
(A) कर्नल जेम्स टॉड (B) एल. पी. टैक्सीटोरी
(C) जॉर्ज थॉमस (D) जयनारायण व्यास

6. राजस्थान की प्रथम महिला जिला प्रमुख कौन थी ?
(A) श्रीमती किशोरी देवी (B) श्रीमती जानकी देवी
((C) श्रीमती नगेन्द्र बाला (D) श्रीमती महिमा देवी

7. 14वीं लोकसभा में राजस्थान से निर्वाचित महिला सांसद है
(A) श्रीमती किरण माहेश्वरी
(B) श्रीमती सुशीला बंगारू
(C) उपर्युक्त 1 एवं 2 दोनों
(D) सुश्री गिरिजा व्यास

8. राजस्थान को आवंटित राज्यसभा सीटों की संख्या है
(A) 10 (B) 11
© 12 (D) 9

9. लोकसभा में राजस्थान से निर्वाचित अनुसूचित जनजाति की पहली महिला सांसद है
(A) श्रीमती जसकोर मीणा
(B) श्रीमती उषा मीणा
(C) श्रीमती शारदा देवी
(D) श्रीमती कमला भील

10. राजस्थान से अनुसूचित जाति की प्रथम महिला लोकसभा सदस्य है
(A) श्रीमती यशोदा देवी
(B) श्रीमती सुशीला बंगारू
(C) श्रीमती प्रभा ठाकुर
(D) श्रीमती नजमा हेपतुल्ला

उत्तर-1 (b), 2 (a), 3 (d),4 (c),5 (a),6 (c),7(c),8(a),9(b),10(b)

सेवानिवृत प्रधानाचार्य ने विद्यालय विकास के लिए 1.11 लाख रूपए की घोषणा की

[मारवाड़ चेतना न्यूज नेटवर्क]

रानीवाड़ा। धानोल ग्राम पंचायत के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय भोड़ों की ढ़ाणी में प्रधानाचार्य स्वरूपाराम ने सेवानिवृति पर विद्यालय विकास के लिए अनूठी पहल करते हुए 1.11 लाख रूपए की सहायता की घोषणा की। सेवानिवृति समारोह कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि इस विद्यालय से जो स्नेह मिला वह यादगार है। बच्चों के भविष्य और विद्यालय की जरूरत को देखते हुए यह छोटा सा सहयोग किया। समारोह में विद्यालय स्टाफ, ग्रामीणों व विद्यार्थियों ने विदाई देते हुए सभी ने माला पहनाकर स्वागत किया। समारोह को यादगार रखने के लिए विद्यालय के स्टॉफ ने सेवानिवृत प्रधानाचार्य स्वरूपाराम की घोषणा पर आभार जताया। इस मौके सरपंच प्रतिनिधि गणपतलाल, उप सरपंच सवसीराम, वरदाराम, जवारसिंह, पीरसिंह, मफाराम मौजूद रहे।

नैनसिंह आलासन बने विप्र फाण्डेशन जालोर के अध्यक्ष

[मारवाड़ चेतना न्यूज नेटवर्क]

जालोर। विप्र फाण्डेशन जॉन की जालोर संसदीय क्षेत्र की बैठक सिरोही के निजी होटल में हुई। इस दौरान प्रदेश महामंत्री जितेन्द्र गौड़, प्रदेश उपाध्यक्ष व सिरोही जिला प्रभारी टाइगर अशोक राजपुरोहित ने विप्र फाण्डेशन के उद्देश्य समर्थ राष्ट्र-उन्नत समाज को लेकर आगामी कार्यक्रमों की जानकारी के साथ-साथ कार्यकारिणी का विस्तार किया। जिसमें जालोर जिले के सक्रिय जिलाध्यक्ष रहे हीरालाल सारस्वत व सिरोही जिले के पूर्व जिलाध्यक्ष रहे प्रमोद व्यास को प्रदेश मंत्री मनोनीत किया गया। साथ ही जालोर जिले में सांचौर नया जिला घोषित हो जाने के कारण विप्र फाण्डेशन जालोर के जिलाध्यक्ष नैनसिंह आलासण व सांचौर जिलाध्यक्ष जोगाराम चितलवाना को मनोनीत किया गया।

मटकी प्रकरण के एक साल होने पर कार्यक्रम के विरोध में ग्रामीण

[मारवाड़ चेतना न्यूज नेटवर्क]

जालोर। एक साल पहले चर्चित सुराणा मटकी प्रकरण अब फिर चर्चा में है। कुछ दिन पहले तय किया 13 अगस्त को छात्र इन्द्र मेघवाल की पुण्यतिथि पर होने वाले कार्यक्रम के विरोध में ग्रामीणों की सोमवार को बैठक हुई। ग्रामीणों ने बताया कि स्व. इन्द्र मेघवाल की पुण्यतिथि मनोन की आड में छुआछुत के नाम पर एक बार फिर गांव का माहौल खराब करने की कोशिश करने की तैयारी हो रही है। ग्रामीणों ने बताया कि गांव मं स्मारक स्थापित करने की पूर्ण तैयारी है। इससे गांव के भाईचारे और सौहार्द पूर्ण माहौल पर असर पड़ सकता है। इस कार्यक्रम को निरस्त करने की मांग को लेकर सोमवार को ग्रामीणों ने जालोर कलेक्टर को ज्ञापन सौपा।

शेयर बाजार में ठगी से बचना है तो अपनाएं ये तरीका, कभी नहीं होंगे धोखाधड़ी के शिकार

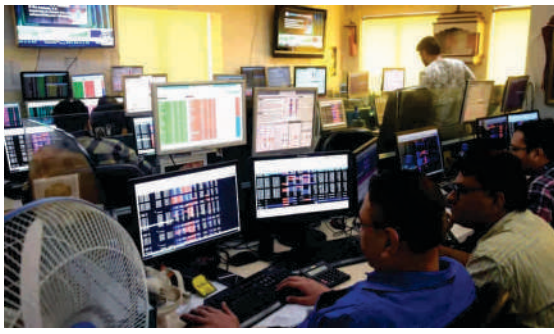

नई दिल्ली। ब्रिटिश महिला जूलियट डिसूजा ने 1998-2010 के दौरान ब्रिटेन के कई अमीरों से दोस्ती की और उन्हें ठगा। तमाम सफल ठगों की तरह, इस महिला के शिकार भी उस पर पूरा-पूरा भरोसा करते थे और अपनी मर्जी से अपने पैसे उसके हाथों में रख देते थे। अपनी ठगी से उसने करीब 50 लाख से एक करोड़ पाउंड लूटे, बेशुमार दौलत जमा की और लंदन में चार फ्लैट भी लिए। 2015 में उसे, 11 लोगों को धोखा देने का दोषी ठहराया गया और 10 साल जेल की सजा सुनाई गई।

शेयर बाजार में सावधानी जरूरी

इतने आत्मविश्वास के साथ इतने सारे लोगों से धोखाधड़ी करना, अचरज में डालने वाली बात है। मगर जो खेल एफटीएक्स के सैम बैंकमैन-फ्रीड ने खेला है, उसके मुकाबले तो ये छोटी-मोटी जेब काटने जैसी बात हुई। बैंकमैन के मामले में तो उसके शिकार लोगों ने उस पर भरोसा किया और अपनी मर्जी से उसे पैसे दिए। मगर उसने लोगों के क्रिप्टो के जुनून का फायदा उठाया और अपने फ्रॉड को औद्योगिक स्तर पर ले गया।

हालांकि, जूलियट डिसूजा की ठगी के शिकार लोग, मनोवैज्ञानिक नजरिये से ज्यादा दिलचस्प और सबक लेने वाले हैं। जब कोई क्रिप्टो जैसे ग्लोबल फ्राड या आजकल के डिजिटल स्टार्टअप रैकेट का शिकार होते हैं, तो बहाना होता है कि लाखों लोगों ने भी तो यही किया है।

समझदार लोग भी करते हैं गलतियां

बड़े स्तर पर ठगे जाने में ये तर्क दिया जाता है कि जब इतने सारे लोग कर रहे हैं और मीडिया के साथ-साथ फाइनेंस उद्योग भी समर्थन कर रहा है, तो उसमें कुछ तो सच्चाई रही होगी। हालांकि, व्यक्तिगत स्तर पर किए गए फ्रॉड के पीछे अलग किस्म का तर्क दिया जाता है। जैसे कि इस महिला ने कुछ अलौकिक या दूसरी दुनिया की शक्तियां होने का दावा किया और लोगों ने हर तरह की चीजों के लिए पैसे दिए।

इसमें व्यक्तिगत, फाइनेंसियल और दुनियावी चीजें दे दीं। ऐसी धोखाधड़ी के हर मामले में, पीड़ितों ने बड़ी-बड़ी झूठी बातों पर भरोसा किया जो पूरी तरह वास्तविकता और तर्क से परे थीं। ठगी के शिकार ज्यादातर व्यक्ति सफल लोगों में शुमार होते थे क्योंकि ऐसे ही लोगों के पास पैसा था जो उन्हें ठगे जाने के काबिल बनाता था।

कई सफल लोगों को लगता है कि उनकी सफलता एक संयोग है और जीवन के कई ऐसे रहस्य हैं जो उनसे छिपे हुए हैं। दुनिया के काम करने का उनका मानसिक मॉडल ऐसा ही है। बात जब निवेश की आती है, तो लंबे समय से मैं देख रहा हूं कि अलग-अलग लोगों के मन में अलग-अलग मॉडल होते हैं। इनमें सबसे आम ये है, 'ऐसे लोग हैं जो जानते हैं कि किसी स्टॉक की कीमत कब बढ़ेगी। अगर उनमें से कोई मुझे बता दें, तो मैं पैसे बना सकता हूं.' ये स्टाक मार्केट का 'टिप' मॉडल है।

टिप से रहें दूर

ये इतना दिमाग वाला मॉडल नहीं है जितना इसकी कमी वाला कहलाएगा। बदकिस्मती से ये मॉडल काफी तादाद में है। 'टिप' मॉडल की तुलना में 'ऑपरेटर माडल' कुछ ज्यादा व्यापक है। ऑपरेटर मॉडल के तहत, लोगों को लगता है कि ऑपरेटर स्टॉक की कीमत पर प्रभाव डालते हैं और सिर्फ ये पता लगाने की जरूरत है कि ये ऑपरेटर क्या कर रहे हैं और फिर उनकी देखा-देखी उसी स्टाक पर दांव लगा दें। अगर आप खुद एक ऑपरेटर नहीं हैं, तो इन ऑपरेटर के हाथों अपना पैसा गंवाने के बड़े जोखिम में है।

और हां, असल में, एक और मॉडल मौजूद है। इसमें आपको ये पता लगाना होता है कि कंपनियां कितना कमाती हैं, वो भविष्य में कितनी कमाई करेंगी और प्रतिस्पर्धा का सामना कैसे करेंगी और इसी तरह की कुछ और बातें जाननी ज़रूरी होती हैं। पहले के दो मॉडलों की तुलना में कुछ लोग इस पर भरोसा करते हैं।

हितेश खण्डेलवाल दिनेश खण्डेलवाल
ASHIRWAD Flex Banner
आशीर्वाद फ्लैक्स बैनर
डिजाईन
प्रिण्टींग
पेस्टींग
दुकान नं. 05, खेतावत मार्केट,
रोड़वेज बस स्टेण्ड के पीछे, भीनमाल (जालोर)
9413854449 8306557546
hitkhandelwal@gmail.com

मारवाड़ चेतना बिजनेस कनेक्ट
आपके व्यापार अथवा पेशेवर सेवाओं को विस्तार देने और अधिकाधिक लोगों तक पहुँचाने के लिए मारवाड़ चेतना के इस बिजनेस कनेक्ट पेज पर अत्यंत रियायती दर पर हम आपके विज्ञापन का प्रकाशन करेंगे। बिजिटिंग कार्ड साईज विज्ञापन का एक अंक का मात्र 600/- रुपये और वर्ष भर के 50 अंकों के लिए मात्र 15000/- रुपये की लागत रहेगी।
संपर्क करें - 9820738681

जन्म पत्रिका, वर वधू मिलान, विवाह, नक्षत्र शांति, अर्क विवाह, कुम्भ विवाह, वास्तु शान्ति, नवग्रह हवन, नवचण्डी यज्ञ, दुकान मुहूर्त आदि किसी भी कार्य के लिए द्वारिका, राष्ट्रीय वेद विश्व विद्यालय उज्जैन व सोमनाथ संस्कृत विश्व विद्यालय से अध्ययन कर लौटे
भीनमाल निवासी .
वैभव प्रवीण त्रिवेदी सामवेदी
(ज्योतिष, कर्मकांड व वास्तु विशेषज्ञ)
उपरोक्त सेवाओं के लिए अब मुंबई में उपलब्ध है
संपर्क - 8511005084
पता: ओरियन बिल्डिंग, रेलवे बेकरी के सामने, ग्रांट रोड़ पूर्व, मुंबई-400 007

MAHA RERA - A51900010691
मुंबई वडाला से चेंबूर तक के क्षेत्र में कोई भी रेजिडेंशियल या कॉमर्शियल प्रॉपर्टी खरीदने बेचने के लिए संपर्क करें।
Hiren Prajapati
91-9560316333 Ph.: 022-24035574
Shreenathji & Associates
Property Consultant: Residential & Commercial
Selling of Properties in Resale & New Projects
Head Office : Building No. M-10, 'B' Wing, Shop No. 3,Nisarg CHS., Pratikasha Nagar, Sion (E), Mumbai-400 022
Branch-1: Flat No. 2, Building No. 13, Shiv Prerna S.R.A., Behind Bussa Industrial Estate, Prabhadevi, Mumbai-400 022
Branch-2: Mamta Soc., Shop No. 9, Jerbai Wadia Road, Near Vithal Mandir, Sewree, Mumbai-400 015
Email: shreenathjiapc@gmail.com

मुंबई में किसी भी प्रकार के प्रिंटिंग कार्य यथा बुक, लेटरहेड, ब्राउचर्स, बैनर, डिजिटल बोर्ड, डायरेक्टरी आदि के लिए प्रतिष्ठित संस्थान
चेतना पब्लिकेशन
रवि खंडेलवाल - 9920902714

UMMEDMAL TILOKCHAND ZAVERI
GOVT. APPROVED VALUERS
A House of Exlusive Designer Jewellery
BUREAU OF INDIAN STANDARDS HALLMARKED JEWELLERY
51, Dagina Bazar, Mumbadevi Road, Mumbai-02 Ph.: 2241 3333/4
यू.टी. जवेरी
Huges Road
GOVT. APPROVED VALUERS
UTZ Diamond Jewellery-Gold Jadau Antique-Kundan Jwellery
www.utzaveri.com, Email: utzaveri.utz@gmail.com
शॉप नं. 11-ए, धरम पैलेस, ह्यूजीस रोड़, मुंबई 400 007
फोन नं. 23670869, 23610183, 23679575
UTZ
U. T. ZAVERI & SONS
UMMED JEWELLERS NX
EXCLUSIVE GOLD, DIAMOND & SOLITAIRE JEWELLERY
36, Dagina Bazar, Mumbadevi Road, Mumbai-400 002
+91 22 49763417 utzaverisons@gmail.com
Solitaire : Diamond Exporters, Importers & Manufacturer
एई-5010, ए-टॉवर, भारत डायमण्ड बौर्स, बान्द्रा कुर्ला कॉम्पलेक्स, बान्द्रा (पूर्व), मुंबई-400 051 फोन: 40040249 / 33923639 Qbc-3639
MAJOR CREDIT CARD ACCEPTE

जालोर नागरिक सहकारी बैंक लिमिटेड
प्रधान कार्यालय-हरिदेव जोशी सर्किल के पास, जालोर- 343001 (राजस्थान)
Bank Helpline No. :- + 91-9079806434 Email ID:- headoffice@jalorebank.com | Bank Website: www.jalorebank.com

ऋण योजनाएँ
01. MSME Loan (Cash Credit / MT Loan)
02. केश क्रेडिट लिमिट योजना (Hypothecation of Good)
03. केश क्रेडिट लिमिट योजना (Mortgage of property)
04. अचल संपत्ति के विरूद्ध व्यक्तिगत ऋण (व्यवसाय हेतु) (LAP.M)
05. अचल संपत्ति के विरूद्ध व्यक्तिगत ऋण (LAP)
06. व्यक्तिगत ऋण योजना
07. भवन निर्माण ऋण योजना
08. होम टॉप अप योजना
09. वाहन ऋण योजना
10. "Nagrik Mitra" Loan Scheme

वित्तीय सुदृढ़ता
- 17500 हजार से अधिक अंशधारकों का मजबूत आधार।
- ग्राहको के 33 वर्षों के विश्वास एवं अटूट सम्बन्धों के कारण सम्पूर्ण प्रदेश मे अग्रणी अरबन को-ऑप. बैंक के रूप में पहचान।
- 70,000 ग्राहकों का Customer Base
- RBI द्वारा निर्धारित "Financially Sound & Well Managed Bank" के समस्त मापदण्डों की पूर्णता ।
- अन्तराष्ट्रीय स्तर पर FCBA अवार्डो द्वारा सम्मानित।
- बैंक का कुल व्यवसाय रू. 520 करोड़ के पार।
- पूंजी पर्याप्तता अनुपात 21% से अधिक एवं लगातार लाभार्जन करने वाली बैंक ।
- गत दो वर्षों से लगातार 10% की दर से लाभांश वितरण।
- शुद्ध एन.पी.ए. शून्य स्तर पर।
- बैंक में 5 लाख तक की जमाएँ DICGC योजना के अर्न्तगत सुरक्षित बीमा उपलब्ध।
- बैंक के शेयर होल्डर्स हेतु व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा ।
- सम्पूर्ण देश में ATM नेटवर्क से जुड़ाव
- PMJJBY & PMSBY स्कीम के अन्तर्गत बीमा सुविधा उपलब्ध।

परमानन्द भट्ट - मुख्य कार्यकारी अधिकारी
सीए मोहन पाराशर - अध्यक्ष
ललित कुमार दवे - उपाध्यक्ष
संचालक मण्डल सदस्यगण: दिनेश परमार, गणेश राम मीणा, गिरीश बंसल, श्री कनिष चौधरी, कान्तिलाल भण्डारी, मोहनलाल, मोहनलाल परमार, नम्रता जैथलिया, श्यामलाल बोहरा, उषा कुमावत
सहवृत संचालक सदस्यगण: हेमताराम प्रजापत, निखिल दवे

जिला बनने से सांचौर का ऐतिहासिक विकास होगा- पुखराज पाराशर

शहर के डाक बंगले में हुआ स्थापना दिवस समारोह, मंत्री सुखराम बोले- सीएम ने सबसे बड़ा तोहफा दिया

मारवाड़ चेतना न्यूज नेटवर्क

सांचौर। सांचौर में सोमवार सांचौर जिले का स्थापना दिवस समारोह मनाया गया। शहर के डाक बंगले में कार्यक्रम आयोजित करके सांचौर जिले की स्थापना साधु संतों के सानिध्य, जन अभियोग निराकरण समिति के अध्यक्ष पुखराज पाराशर, राज्य मंत्री सुखराम बिश्नोई के मौजूदगी में की गई। इस दौरान कलेक्टर पूजा पार्थ ने गजट नोटिफिकेशन पढ़कर सुनाया।

इस दौरान जन अभियोग निराकरण समिति के अध्यक्ष पुखराज पाराशर ने कहा कि जिला मुख्यालय से दूरी ज्यादा होने के कारण सांचौर को जिला बनाया है। इससे इस क्षेत्र का विकास होगा। उन्होंने विपक्ष पर निशाना साधते हुए कहा कि जिले की स्थापना जैसे कार्यक्रम में विपक्ष का एक भी नेता मौजूद नहीं है।

शहर के डाक बंगले में जिले का स्थापना दिवस कार्यक्रम आयोजित हुआ

राज्यमंत्री सुखराम बिश्नोई ने कहा कि मैंने उप जिला अस्पताल की मांग की थी, तब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत हंसे थे। उसके बाद उप जिला अस्पताल की घोषणा हो गई, लेकिन बाद में सबसे बड़ा तोहफा जिले के रूप में दिया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री से जो मांगा था वो सब दिया है। उन्होंने नर्मदा नहर के लिए 70 करोड़ रुपए दिए है। सड़क, बिजली सहित सभी समस्याओं का समाधान किया है। जेजेएम का कार्य भी तेजी से किया जा रहा है।

भीनमाल के पूर्व विधायक समरजीत सिंह ने कहा कि सांचौर की जनता ने सही निर्णय लेकर सुखराम बिश्नोई को जिताया। जिससे वो मंत्री है और उसी का परिणाम है कि सांचौर को मुख्यमंत्री ने जिला बनाया है। मुख्यमंत्री ने हर वर्ग और हर क्षेत्र का विकास किया है। उन्होंने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि आपको भाई-भाई को लड़ाने वाली सरकार चाहिए या विकास करवाने वाली चाहिए।

सांचौर जिले के स्थापना दिवस समारोह में मौजूद लोग

पूर्व उप सचेतक रतन देवासी ने कहा कि सुखराम बिश्नोई और पुखराज पाराशर का ट्वीट आया तभी समझ में आ गया था कि सांचौर को मुख्यमंत्री जिला बनाएंगे। जिला बनने के बाद ये क्षेत्र विकास के नए आयाम स्थापित करेगा।

गणेश नाथ महाराज ने कहा कि 200 किमी का सफर घर तक आ गया है। इससे लोगों को न्याय तुरंत मिलेगा। इस दौरान जालोर कलेक्टर निशांत जैन, पूर्व प्रधान रमिला मेघवाल, नगर पालिका अध्यक्ष नरेश सेठ, समस्त व्यापार मंडल के अध्यक्ष हरीश पुरोहित सीलू, सांचौर एसपी शैलेंद्र सिंह इंदौलिया, जालोर के पूर्व विधायक राम लाल मेघवाल, पूर्व सरपंच भीखा राम बिश्नोई, सांचौर पूर्व प्रधान शमशेर अली, राव लोकेंद्र सिंह चितलवाना, यूथ ब्रिगेड सेवा दल के प्रदेशाध्यक्ष जगदीश गोदारा और एडीएम शैलेंद्र सिंह सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

संवरेंगे पाली के तीन रेलवे स्टेशन, खर्च होंगे 56.6 करोड़

[मारवाड़ चेतना न्यूज नेटवर्क]

पाली। पाली जिले के तीन रेलवे स्टेशनों का पुराना स्वरूप जल्द बदल जाएगा। फालना, सोजत रोड़ व मारवाड़ जंक्शन रेलवे स्टेशन का काया कल्प करने के लिए 56.6 करोड़ रूपए खर्च होंगे। स्टेशनों को नया रूप देने के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी दिल्ली से वर्चुअल माध्यम से शिलान्यास करेंगे। सांसद पीपी चौधरी ने बताया कि अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत पाली सहित देश के 508 रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की आधारशिला रखी जाएगी। इस योजना में राजस्थान के 55 रेलव स्टेशन शामिल है। यह योजना का प्रथम चरण है। योजना में शामिल अन्य रेलवे स्टेशनों का द्वितीय चरण में शिलान्यास किया जाएगा।

मारवाड़ के कार्यक्रम में होंगे शामिल

सांसद चौधरी मारवाड़ जंक्शन रेलवे स्टेशन पर आयोजित वर्चुअल शिलान्यास समारोह में शामिल होंगे। वहीं फालना स्टेशन पर विधायक पुष्पेन्द्र सिंह राणावत और सोजत रोड़ स्टेशन पर विधायक शोभा चौहान की उपस्थिति में आयोजन होगा। इसे लेकर रेलवे की ओर से सारी तैयारियां कर ली गई है। प्रत्येक स्टेशन पर नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए है।

हर स्टेशन पर यह होगा कार्य

मारवाड़ जंक्शन रेलवे स्टेशन को नया रूप 17.8 करोड़ से दिया जाएगा।

सोजत रोड़ रेलवे स्टेशन पर 21.2 करोड़ व फालना रेलवे स्टेशन पर 17.6 करोड़ रूपए व्यय होंगे। इस राशि से स्टेशनों पर लैंडस्केप के साथ सर्कुलेटिंग एरिया, टू व्हीलर, फोर व्हीलर व ऑटो रिक्शा के लिए अलग-अलग पार्किंग, यात्री क्षमता के अनुसार पर्याप्त क्षेत्र में प्रवेश हॉल, कोच इंडिकेशन बोर्ड, वेटिंग रूम, स्टेशन बिल्डिंग के आंतरिक और बाहरी भाग में उत्कृष्ट साज-सज्जा आदि का कार्य किया जाएगा।

माउंट आबू में जी.20 के तहत सुगम संगीत संध्या नाद ब्रह्म का हुआ आयोजन

सिरोही। आकाशवाणी जयपुर द्वारा प्रजापिता ब्रह्मकुमारी परिषद् माउंट आबू के यूनिवर्सल हारमोनी हॉल में जी 20 के अंतर्गत सुगम संगीत संध्या नाद ब्रह्म का आयोजन सी.आरपी.एफ माउंट आबू के आई.जी. दिनेश राणा, सी.आरपी.एफ माउंट आबू के डी.आई.जी डी.एस. राठौड. डी.आई.जी.सी.आरपी.एफ. माउंट आबू के संधाशु सिंह के आतिथ्य में किया गया।

कार्यक्रम की औपचारिक शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई तत्पश्चात कार्यक्रम को परवान चढ़ाते हुए जी.20 गीत को प्रस्तुत किया गया जिसके बोल थे 'बढ़ते भारत को शक्ति दो' दीपक माथुर ने प्रस्तुत किया समुह स्वर थे डॉ गौरव जैन, संजय रायजादा, डॉक्टर गार्गी बनर्जी, संगीता शर्मा व प्रिया सक्सेना ने प्रस्तुत किया। दीपक माथुर का भजन 'शिव शिव शिव' ने वातावरण को शिवमय बनाया। संगीता शर्मा के गीत 'आ उतर ए मेध मेरे' जो कि विजय शर्मा का रचित गीत था को पूरे मनोयोग से प्रस्तुत किया। संजय रायजादा ने 'मेरी आंखों में एक सपना ' जो कि प्रोमिला राजीव द्वारा लिखा हुआ है।

दिल्ली से आए टॉप ग्रेड कलाकार जितेंद्र सिंह ने गीत गजल प्रस्तुत कि 'आए हम खुद को बदलने जग बदलता जाएगा' प्रस्तुत किया तत्पश्चात प्रिया सक्सेना ने 'जानत प्रीत रघुराई' भजन प्रस्तुत कर भक्तिकालीन कवि तुलसीदास की आत्मीयता से परिचित कराया ।

डॉ गार्गी बनर्जी ने 'उमड धुमड घन आए बादल से' मेघों को श्रृंगार किया इसके पश्चात वरिष्ठ रचनाकार पंडित आलोक भट्ट ने बात को आगे बढ़ाते हुए 'मेघ से घिरा घिरा गगन' जो किसी क्षेत्र के प्रसिद्ध लेखक नंद चतुर्वेदी का गीत प्रस्तुत किया कार्यक्रम प्रमुख अर्चना सिन्हा, समाचार प्रमुख निलेश कालभोर और प्रजापिता ब्रह्मकुमारी के श्री मृत्युंजय भाई एवं अन्य लोगों ने जी-20 पर अपने विचार प्रकट किए कार्यक्रम संचालन अनामिका जांदोन और जितेंद्र वर्मा ने किया आकाशवाणी माउंट आबू के कार्यक्रम प्रमुख श्याम पंवार तकनीकी धीरज मिश्रा एवं आकाशवाणी माउंट आबू के कर्मचारियों के सहयोग से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

बदलेगी बाड़मेर रेलवे स्टेशन की तस्वीर

पीएम मोदी ने किया वर्चुअल शिलान्यास; वेटिंग रूम, लिफ्ट और एस्केलेटर से हाई टेक होगा स्टेशन

मारवाड़ चेतना न्यूज नेटवर्क

बाड़मेर। अमृत भारत मिशन के तहत बाड़मेर रेलवे स्टेशन का कायाकल्प किया जा रहा है। रविवार को सुबह 11 बजे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल बाड़मेर रेलवे स्टेशन का शिलान्यास किया। प्रोग्राम रेलवे स्टेशन परिसर में आयोजित हुआ। प्रोग्राम में केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी भी शामिल हुए। हालांकि, रेलवे स्टेशन काम बीते कुछ दिनों से शुरू हो गया है। पुरानी बिल्डिंग को तोड़ दिया गया है। मंत्री ने कहा कि रेलवे, रोड और एयर से जुड़ने से देश आगे बढ़ रहा है। बाड़मेर, जैसलमेर और बालोतरा को बहुत बड़ी सौगात मिली है। बाड़मेर में यार्ड भी बनेगा इससे ट्रेनों का विस्तार होगा।

दरअसल, पीएम मोदी ने अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत 508 रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास कार्यक्रम का शिलान्यास किया है, जिसमें राजस्थान के 55 स्टेशन शामिल हैं। इसमें बाड़मेर व बालोतरा का रेलवे स्टेशन भी शामिल है। इसके लिए रेलवे ने मास्टर प्लान बनाकर काम शुरू करवा दिया गया है। है। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री कैलाश चौधरी के प्रयास रंग लाए हैं। अब बाड़मेर व बालोतरा दोनों रेलवे स्टेशनों का कायाकल्प हो रहा है।

बाड़मेर रेलवे स्टेशन पर शिलान्यास प्रोग्राम में केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी शामिल हुए। पीएम नरेंद्र मोदी 11 बजे वर्चुअल प्रोग्राम के तहत बाड़मेर रेलवे स्टेशन का पुनर्विकास प्रोग्राम का शिलान्यास किया। इस दौरान बीजेपी जिलाध्यक्ष स्वरूपसिंह खारा, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य एडवोकेट रूपसिंह, दिलीप पालीवाल भी शामिल हुए। वहीं बड़ी संख्या में बीजेपी कार्यकर्ता और लोग उपस्थित रहे।

केंद्रीय मंत्री कैलाश चौधरी ने कहा कि आज का दिन ऐतिहासिक है। आज इन्फ्रास्ट्रक्चर की दृष्टि से रेलवे, रोड और एयर सुविधाओं में देश आगे बढ़ रहा है। इसी कड़ी में आज बाड़मेर, जैसलमेर और बालोतरा को बहुत बड़ी सौगात मिली है। इससे आने वाले समय रेलों का विस्तार होने के साथ-साथ समय पर रेल आएगी। रेलवे का पुनर्विकास होने के साथ यहां पर यार्ड भी बनेगा। इससे ज्यादा से ज्यादा नई ट्रेन आएगी। बॉर्डर के लोगों को अधिक से अधिक सुविधा मिले इसके लिए मैं हमेशा से प्रयासरत हूं।

कोच इंडिकेशन बोर्ड, बदलेगा पार्किंग स्पेस

वर्तमान में दो प्लेटफॉर्म है, अब ये तीन हो जाएंगे। प्लेटफार्म पर फर्नीचर की व्यवस्था की जाएगी। 12 मीटर का चौड़ा एफओबी होगा। रेलवे स्टेशन की पार्किंग को भी बदला जाएगा। पुराने कस्टम भवन के पास पार्किंग स्पेस बनेगा। यहां ऑटो, दुपहिया, चारपहिया वाहनों के लिए अलग-अलग पार्किंग होगी।

16.81 करोड़ रुपए होंगे खर्च

बाड़मेर रेलवे स्टेशन की सूरत बदलने के लिए 16.81 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसके तहत पुराने टिकट बुकिंग हॉल को तोड़ कर नए हॉल का निर्माण किया जाएगा। इसके अलावा वीआईपी लॉज, पार्किंग, लिफ्ट, इलेक्ट्रॉनिक सीढ़ियां भी लगाई जाएगी। रेलवे ने अलग-अलग कंस्ट्रक्शन के काम शुरू करवा दिए। प्लेटफॉर्म भी बढ़ाने के साथ जोधपुर में ठहराव की कमी से जूझ रही ट्रेनों को भी बाड़मेर तक बढ़ाए जाने की योजना है।

रेलवे स्टेशन बिल्डिंग का एरिया बढ़ाया

रेलवे स्टेशन के लिए 600 वर्ग मीटर में नई बिल्डिंग का निर्माण किया जाएगा। वर्तमान बिल्डिंग को तोड़ कर नया बनाने के साथ ही आगे तक बढ़ाएंगे। वर्तमान में प्लेटफॉर्म पर कोई लिफ्ट नहीं है। अब दो लिफ्ट भी लगाई जाएगी। इसके अलावा इलेक्ट्रॉनिक सीढ़ियां भी लगाई जाना प्रस्तावित है।

नखतमल एन माहेश्वरी युवा संगठन के जिलाध्यक्ष

[मारवाड़ चेतना न्यूज नेटवर्क]

सांचौर। जालोर-सिरोही जिला माहेश्वरी युवा संगठन कार्यकारी मंडल सत्र 2019-22 के सदस्यों की बैठक माहेश्वरी भवन सांचौर में आयोजित की गई। जिसमें नखतमल एन. माहेश्वरी का सत्र 2023-26 के लिए अध्यक्ष नियुक्त किया। चुनाव अधिकारी सुरेश चाण्डक ने बताया कि प्रदेश युवा संगठन अध्यक्ष दिनेश राठी व संगठन सचिव वरूण बंग के निर्देश पर आयोजित बैठक में अध्यक्ष नियुक्त किया। इस दौरान प्रदेश युवा संगठन से पर्यवेक्षक के रूप में जीतू गांधी, हितेश राठी, अनिल धूत, मनीष राठी, पंकज करवा व मुकेश कसुम्बिया मौजूद रहे।

गुरू गोरखनाथ बोर्ड के गठन पर नाथ संप्रदाय के लोगों ने जताया आभार

[मारवाड़ चेतना न्यूज नेटवर्क]

जालोर। गोरखनाथ बोर्ड के गठन पर नाथ संप्रदाय के लोगों ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत व राज्य मंत्री पुखराज पाराशर का आभार जताया है। उन्होंने बताया कि सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग की ओर से गठित किए गए इस बोर्ड से इस समुदाय के लोगों को काफी फायदा होगा। नाथ सम्प्रदाय के जिला अध्यक्ष सांवलनाथ, संरक्षक काननाथ भाटी, बीएन मेलावत, विनोद योगी, देवनाथ, केसर नाथ, ईश्वरनाथ आदि खुशी जाहिर करते हुए अभार जताया।

सियासी समीकरण भी बदले

पांच विधानसभा में से 2 विधायक अभी सांचौर जिला क्षेत्र में

भीनमाल जालोर जिले में लेकिन विधायक का गांव सांचौर में

[मारवाड़ चेतना न्यूज नेटवर्क]

भीनमाल। अचानक से राजनीतिक चर्चाओं के बाद प्रदेश में 19 जिलों की घोषणा में शामिल सांचौर जिला सोमवार से वजूद में आ गया। लेकिन इसके साथ ही जिले की राजनीतिक स्थिति में वर्तमान में काफी बदलाव भी आने वाला है।

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत द्वारा सांचौर को जिला घोषित करने पर भीनमाल से विरोध के स्वरूप मुखर हुए थे। सांचौर को नहीं बल्कि भीनमाल को जिला बनाने की मांग करने वाले भीनमाल विधायक पूराराम चौधरी की मांग को नहीं सुना गया। बल्कि इस बदलाव के बीच विधायक पूराराम का गांव कावतरा फिलहाल सांचौर जिले के अंतर्गत आ गया है। हालांकि उनका विधानसभा क्षेत्र अभी भी उनका भीनमाल है। जालोर जिले की बात करें तो जालोर, आहोर, भीनमाल, रानीवाड़ा और सांचौर पांच विधानसभा इस घोषणा से पूर्व जालोर जिले में थे। आगामी विधानसभा और लोकसभा चुनाव तो इसी परिसीमन से होगा, लेकिन भविष्य में इसमें काफी बदलाव भी होगा।

जालोर में 3 विधानसभा क्षेत्र

जालोर जिले में जालोर, आहोर और भीनमाल विधानसभा क्षेत्र आते है। सांचौर के अंतर्गत सांचौर और रानीवाड़ा विधानसभा क्षेत्र आते है। बागोड़ा को जालोर में रखने की मांग थी, लेकिन यहां के 58 गांव भी अब सांचौर में शामिल है।

भीनमाल... 12 से 15 किमी दूरी के गांव भी अब सांचौर में

सांचौर जिले में बागोड़ा पूरी तहसील को शामिल किया गया है। भीनमाल के नजदीक के जेतू, कावतरा, लूणावास, जेरण, कालेटी, अरणु, बागोड़ा तहसील में थे। ये सभी गांव अब सांचौर में शामिल है। भीनमाल से जेतू गांव करीब 16 किमी. जबकि बागोड़ा से करीब 40 किमी. लूणावास भीनमाल से करीब 15 किमी. जबकि बागोड़ा से करीब 35 किमी. है। ये सभी गांव भीनमाल से 12 से 20 किमी दूर है, जबकि बागोड़ा से इनकी दूरी 30 से 40 किमी है।

8 साल पहले बागोड़ा में शामिल हुए थे गांव

श्रवणसिंह दासपां ने कहा कि पिछली भाजपा सरकार के कार्यकाल में भीनमाल से सटते गांव बागोड़ा तहसील में शामिल हुए, उस समय ग्रामीणों के विरोध को अनसुना किया गया। एडवोकेट रणजीतसिंह भाटी ने बताया कि जेतू को भीनमाल में शामिल करने की मांग करते आए है। कावतरा सरपंच गजेसिंह ने कहा कि कावतरा की तहसील भीनमाल और जिला जालोर रखने की मांग की थी।

कोर्ट जाएंगे

भीनमाल को ही जिला बनाना चाहिए था। सांचौर जिला घोषित होने के बाद हमने भीनमाल, बागोड़ा, जसवंतपुरा को शामिल करते हुए भीनमाल को जिला बनाने की मांग की थी। अब मामले में हाईकोर्ट जाएंगे और जरूरत पड़ी तो सुप्रीम कोर्ट तक इस फैसले के खिलाफ लड़ाई लड़ेंगे।

-पूराराम चौधरी
विधायक, भीनमाल

साप्ताहिक
मारवाड़ चेतना
605, ओरियन बिल्डिंग, रेलवे बेकरी के सामने,ग्रांट रोड़ पूर्व, मुंबई-400 007
मोबाईल: 9820738681
marwarchetna01@gmail.com

भीनमाल कार्यालय
माघ कॉलोनी, भीनमाल-343029, जिला जालोर (राज.)
फोन: 02969-220344/221981

चेन्नई कार्यालय
40, ए ब्लॉक, पहला माला, शॉप नं. 1, केआरपीपीएस कॉम्पलेक्स, नाटू पिल्लाय कोईल स्ट्रीट, चेन्नई-01 फोन: 48617657

अहमदाबाद कार्यालय
ए-1 ब्लॉक, नं. 101, श्रीमद् इलीगेंस, सोमनाथ मंदिर के पास, सिद्धसिला विराट नगर रोड़ के सामने, निकोल, अहमदाबाद मो.80158 13751

हैदराबाद शाखा कार्यालय
महादेव ट्रेडिंग कं., 4-3-339/340, जी-18, नवकार कॉम्पलेक्स, गुजराती गली, कोटि, हैदराबाद

ब्यूरो

चेन्नई
महेन्द्रदास निम्बार्क : 09840939303
रमेश खण्डेलवाल : 09444135769

हैदराबाद
करना राम बग : 09951362740

अहमदाबाद
रणछोड़भाई पटेल : 09426573644
हस्तीमल रामावत : 08015813751

बैंगलोर
लेखराज जैन : 09342886975

बोरीवली
बाबूलाल भाटी : 9323564621

हमारे प्रसार सहयोगी

हैदराबाद
बेगम बाजार मोहनसिंह राजपुरोहित 09441583694
बेगम बाजार भवानीसिंह राजपु. 09014762209
कमलानगर शंकरसिंह राजपुरोहित 09494949921

मुंबई (महाराष्ट्र)
मुंबई
हरीश विश्नोई 09833248581
सीटी सेंटर
नानजी राजपुरोहित 09892452254
पुणे
जबराराम पुरोहित 09975461451
लातूर
पीराराम चौधरी 09975728444
सूरत
बलवंत टेलर 9867011040
बडौदा
रतनाराम देवासी 09428073043
बैंगलोर
उत्तमसिंह 09448735531
हॉस्पेट
श्याम वैष्णव 09900998053
मैंगलोर
मोडसिंह पुरोहित 09480363956
मदुराई
लक्ष्मण सेन, पांथेड़ी 09994324393
केरला
भावेश पटेल 09895278017
लालाराम चौधरी 09745722698
विशाखा पट्टनम
सांवलसिंह 09030406985
तेनाली
कांतिलाल जैन 09440736222
हुबली
रमेश पटेल 09740337821
गंगावटी
प्रकाश राजपुरोहित 09448652005

- मारवाड़ चेतना के ग्राहक बनने एवं विज्ञापन आदि का भुगतान MARWAR CHETNA के नाम से चेक/ड्राफ्ट अथवा मनीआर्डर द्वारा भिजवायें। यदि हमारे प्रतिनिधि को भुगतान करें तो रसीद अवश्य प्राप्त करें।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक कन्हैयालाल खण्डेलवाल द्वारा मारवाड़ चेतना कार्यालय भीनमाल कॉलोनी, जिला जालोर, से प्रकाशित एवं भंडारी ऑफसेट, जोधपुर से मुद्रित, फोन: 02979-220344 संपादक कन्हैयालाल खण्डेलवाल, उपसंपादक दिनेश खण्डेलवाल। मुंबई कार्यालय मुंबई ऑफिस: 605, ओरियन बिल्डिंग, रेलवे बेकरी के सामने, ग्रांट रोड़ पूर्व, मुंबई-400 007 मो.-9820738681 Visit Us : www.marwarchetna.com Email-marwarchetna01@gmail.com
ब्यूरो-वैभव पी. त्रिवेदी

चेतना के आयाम

आखिर हम अपने लिए कब जिएंगे

परम आकाश

गतांक से जारी....

कमर तोड़ मेहनत की, अपने सिद्धांतो पर चलकर बढ़िया मुकाम हासिल किया। जब कोई काम से मैं उसके आलीशान ऑफिस में मिलने शाम के 6 बजे के करीब गया तो वह भोजन करने की तैयारी कर रहा था।

मुझे लगा, कितनी अच्छी बात है,रात्रि भोजन नही कर रहा, इसलिए अब कर रहा है। लेकिन पूछने पर पता चला कि टिफिन तो बारह बजे ही आ जाता है लेकिन क्या करू,सुबह से टाइम ही नही मिला ।फिर जब मैने उनसे चर्चा की तो उसने भी स्वीकार किया कि हम अपने लिए तो जी ही नही रहे। ऊर्जा बनाने के लिए जो भोजन दोपहर में पेट में पहुंचना चाहिए था, वह चार पांच घंटो बाद पहुंच रहा है। कभी किसी समय, कभी किसी समय भोजन यानि टाइम बेटाइम होगा तो शरीर की पाचन तंत्र प्रणाली का बिगड़ना निश्चित ही है। शरीर के विज्ञान की तो हमे वास्तव में कोई जानकारी ही नहीं। पेट में क्या डालना, कब डालना, कौन सा भोजन कॉम्बिनेशन वाला है, कौन सा बिना कॉम्बिनेशन वाला है, इससे तो शायद ही किसी का लेना देना हो। 99 प्रतिशत लोग इससे अनभिज्ञ ही मिलेंगे।

वास्तव में यदि हम अपने लिए जी रहे होते तो आज जितनी अस्पतालों की संख्या बढ़ रही है, अस्पतालों में मरीजों की संख्या बढ़ रही है, नई नई बीमारियां पैदा हो रही है, कम उम्र में भी हार्ट के ब्लॉकेज डिटेक्ट हो रहे है, इन सभी का एक मात्र कारण है मनुष्य का इस ओर ध्यान ही नही जाना कि हम किसके लिए जी रहे है। बस , जी रहे है। पैसों से इसका कोई लेना देना नही, उल्टा एक गरीब व्यक्ति तो फिर भी अपनी दिनचर्या को ठीक रखने की कोशिश करता है लेकिन जो साधन संपन्न है, बाहरी तौर पर बड़े अच्छे से जीवन जी रहे है, वे स्वयं को अधिक नजरअंदाज करते है। उन्हे तो मौज मस्ती वाला जीवन ही सही जीवन लगता है। बेशक, मौज मस्ती वाला ही जीवन होना चाहिए लेकिन इसके मायने तो समझे जरा।

परम आलय जी सही कहते है अपने को नुकसान पहुंचाकर की गई कोई भी प्रगति, किया गया कोई भी कार्य सही हो ही नहीं सकता। वैसे तो जीवन का वास्तविक लक्ष्य का संज्ञान तो हजारों में एकाध को होता है कि यह मनुष्य जन्म क्यों मिला है, माता पिता से यह शरीर क्यों मिला है , हमे क्यों आए इस पृथ्वी पर, कहा जाना है हमें, ये बाते तो दिमाग में ही नही आती। आ भी नही सकती ।पहले इस शरीर का तो संज्ञान हो। हर यात्रा का पहला पड़ाव ही शरीर से शुरू होता है। चाहे आध्यात्मिक यात्रा पर चलना हो या चाहे सांसारिक उन्नति करनी हो, इस शरीर से ही तो संभव होगी।

स्वतंत्रता का ढंग

स्वतंत्रता केवल उनका ही
जन्मसिद्ध अधिकार है
देश हित में जिन्हें नैतिकतामय
आत्मानुशासन में रहना स्वीकार है!

बातों की आजादी की मांग लेकर
हरदम रहती हैं आगे
यह जानने के लिए जनता जागे
किन हाथों में हैं इन संदेहास्पद
कठपुतलियों के धागे!

सावन सदा रहे स्वतंत्र
हो चारों और प्रफुल्लित बसंत
इसके लिए है बेहद जरूरी
सक्षम सजग सक्रिय रहें
सारे सज्जन संत!

अपनी स्वतंत्रता के साथ
औरों की स्वतंत्रता की
रक्षा-सुरक्षा चेतना
प्रदान करती है स्वतंत्रता का सुख!

प्रेम स्वतंत्रता की सुगंध है
और एकता स्वतंत्रता का रंग
आत्मसम्मान के प्रति सजग रहना
है स्वतंत्रता का ढंग!

पहाड़ों पर स्वतंत्र है पानी
झरना बनकर बहने के लिए
स्वतंत्र हैं किरणें
पृथ्वी को ऊर्जा-उजाला प्रदान करने हेतु
वायुमंडल में हवा भी है स्वतंत्र
प्राणियों में प्राण संचार करने
मानव कहां-कहां किसलिए है
स्वतंत्र आदमी खुद से पूछे!

जिसे सिद्ध है स्वतंत्रता का महामंत्र
वह कदापि नहीं हो सकता
स्वार्थ तंत्र का यंत्र।

प्रहलाद श्रीमाली

मारवाड़ चेतना के संरक्षणगण

श्री सुखराज नाहर
मुंबई-भ्रीनमाल

संघवी श्री रमेश मुथा
चेन्नई-मांडवला

संघवी श्री सांकलचंद तातेड़
मुंबई-भीनमाल

श्री प्रकाश कानूगो
मुंबई-सांचौर

श्री अशोक जी. बोहरा
मुंबई-भन्दर

श्री राकेश मेहता
मुंबई-जोधपुर

श्री चुन्नीलाल संघवी
मुंबई-मालवाड़ा

संघवी श्री मोहनलाल जैन
मुंबई-बागरा

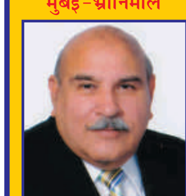
श्री रसिक भाई कोठारी
मुंबई-मंडार

श्री रतनसिंह राठौड़
मुंबई-तुरा

श्री जयंतिलाल चौहान
बैंगलोर-भीनमाल

श्री दिनेश सालेचा
मुंबई-भ्रीनमाल

श्री रमेश हरण
बैंगलोर-भीनमाल

श्री मांगीलाल रांका
मुंबई-भीनमाल

श्री नरसिंगमल जे. जैन
मुंबई-केरिया

संघवी श्री अशोक अरणाईया
मुंबई-हाड़ेचानगर

श्री जोगाराम चौधरी
भीनमाल

श्री देवेन्द्र जैन
वापी-भीनमाल

श्री अनिल टाणी
मुंबई-भीनमाल

श्री जोगसिंह राजपुरोहित
चेन्नई

श्री जैसाराम माली
चेन्नई

श्री अमर गहलोत
मुंबई-भीनमाल

श्री धींगड़मल पटवारी
चेन्नई

मैदे से बनी डबल रोटी (ब्रेड) खाने वाले सावधान!

सन टू ह्यूमन

आज के समाज में मैदे से निर्मित डबल रोटी का प्रयोग एक आम बात हो गई है। प्राय: सभी वर्गों के लोग नाश्ते में अधिकांशत: डबल रोटी का ही प्रयोग करते हैं परन्तु इस डबल रोटी का अधिक सेवन हमारे स्वास्थ्य को नुकसान पहुँचाता है। इससे मोटापा, पित्त की थैली में पथरी, हृदयरोग, बंधकोश, कब्जियत, मधुमेह, आंत्रपुच्छ, आँतों का कैन्सर तथा बवासीर जैसे रोगों के उत्पन्न होने की संभावना रहती है।

आयुर्वेद में तो सभी वैद्य कहते हैं, जानते हैं कि मैदा से ये हानियाँ होती हैं लेकिन अभी–अभी डॉ. डेनिस पी. बर्कीट द्वारा मैदेवाली डबल रोटी पर किये गये अध्ययनों से पता चलता है कि यह आँतों में चिपक जाती है। कुछ चिकित्सकों ने तो आँतों पर इसकी जमने की तुलना सीमेंट से की है। आँतों में इसके जमने से आँतों कीअवशोषण क्षमता तथा आंकुचन–प्रकुंचन पर बुरा प्रभाव पड़ता है।

*डबल रोटी बहुत महीन मैदे से बनायी जाती है, जिसमें रेशा जैसी कोई चीज ही नहीं होती। इसी कारण यह आँतों में जाकर जम जाती है। फलत: डबल रोटी का उपयोग करने वाले लोग प्राय: *कब्ज के शिकार रहते हैं तथा धीरे–धीरे बदहजमी, गैस्ट्रिक (पेट में गैस बनने) जैसी बीमारियों की चपेट में आ जाते हैं। इस प्रकार पाचनतंत्र के दुष्प्रभावित होने से शरीर के अन्य तंत्रों पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है तथा विभिन्न प्रकार की बीमारियाँ उत्पन्न होती है।*

मनुष्य का अर्थ है –बढ़ते हुए होश की धारा। जो भी करें, वह होशपूर्वक करें। विवेक से चलें, विवेक से उठें, विवेक से बैठें, विवेक से खाए, एक क्षण भी बेहोशी में व्यर्थ न गवाऐं। –सन टू ह्यूमन

RO का पानी है खतरनाक और जानलेवा

गतांक से जारी...

वैसे भी खाली होने वाली प्लास्टिक की बोतलों से वातावरण को बहुत खतरा है। नैचुरल रिसोरसेज डिफैंस कांऊसिल के अनुसार बोतल वाले (RO वाले) पानी और आम पानी में कोई श्वास अंतर नहीं होता। ऋ का पानी बोतलों में भरने के बाद बोतलों को मुलायम रखने के लिए इससे 'पैथलेटस' नामक कैमिकल डाला जाता है। इस कैमिकल का इस्तेमाल खिलौने बनाने, सजावटी सामान और इत्तर आदि बनाने में किया जाता है। इससे प्रजनन शक्ति पर बुरा असर पड़ता है। इसमें एक और कैमिकल डाला जाता है। जिले कि 'ऐटीमन' कहते है। इससे डायरिया, जी मचलना आदि रोग पैदा होते है। लगातार कई दिनों तक RO का पानी पीने के बाद साधारण पानी पीकर देखें। आपको पेट में भारीपन महसूस होगा। जिसका कारण है कि आंतों की रोग प्रतिरोधक शक्ति कमजोर हो रही है। WHO जो कि पहले ऋ को बहुत बढ़िया प्रणाली मानता था। आज वहीं WHO इसको गलत बता रहा है। भारतीय सिनेमा, क्रिकेटर और विज्ञापन वाले भी टेलीविजन पर सिर्फ पैसों के लालच में RO का गलत प्रचार कर रहे है। इसीलिए RO के प्रयोग से बचें। इसकी जगह प्राकृतिक और देशी तरीकों से पानी को साफ करें।

बारिश का पानी सर्वोत्तम है। घरों की छतों को पक्का बनवा लो बारिश के दिनों में छत को साफ करके लकड़ी का कोयला और चूना डाल दो। छत के पानी को किसी पाईप द्वारा किसी टंकी में इक्ट्ठा करने का इंतजाम कर दो। ताकि छत पर गिरा हुआ पानी कोयले और चूने से छन कर पाईप के द्वारा टंकी में आ जाए। यह पानी एक साल तक खराब नहीं होता।

. बारिश का पानी सर्वोत्तम है। घरों की छतों को पक्का बनवा लो बारिश के दिनों में छत को साफ करके लकड़ी का कोयला और चूना डाल दो। छत के पानी को किसी पाईप द्वारा किसी टंकी में इक्ट्ठा करने का इंतजाम कर दो। ताकि छत पर गिरा हुआ पानी कोयले और चूने से छन कर पाईप के द्वारा टंकी में आ जाए। यह पानी एक साल तक खराब नहीं होता। यह पानी पेट के लिए सबसे बढ़िया है। जरूरत पड़ने पर इसमें थोड़ी फिटकरी डाल दो। राजस्थान जैसे इलाकों में ऐसे ही पानी इक्ट्ठा किया जाता है।

. ज्यादा गंदा पानी हो तो सूती कपड़े 3–4 तक करके पानी को छान लो। मोटी गंदगी कपड़े से छानकर निकल जायेगी। इस छने हुए पानी को उबालो। इसें वायरल और कीटाणु खत्म हो जायेंगे। ठण्डा होने पर इसमें 4–5 पत्ते तुलसी डाल दो। इस पानी को पारदर्शी काँच के बर्तन में भरकर धूप में रखो। जिससे गुणवत्ता बढ़ेगी। किसी सूती कपड़े में कोयला या देशी गाय के गोबर की राख बांध कर इस पानी में रखो। यह कोयला या राख पानी की सारी गंदगी खींच लेगा।

.पानी हमेशा मिट्टी के घड़े में भरकर रखो। घड़ा पानी के तत्व ज्यादा होने पर सोख लेता है और अगर तत्व कम है तो पूरे कर देता है। आप इसमें 4–5 पत्ते तुलसी, 4–5 पत्ते पुदीना, चुटकी भर चूना और थोड़ी सी देशी गाय के गोबर की राख भी डाल सकते है।

. सादे पानी को शुद्ध करने के लिए मिट्टी के घड़े में 10 लीटर पानी में 25 ग्राम देशी गाय की गोबर की भस्म (राख) डाल सकते हैं या सहजन पौधे के 10 पत्ते या फिटकड़ी या 50 मिली गौमूत्र भी डाल सकते है।

हरियाली की बहार

मटर संग पालक टमाटर

पालक व टमाटर को उबालकर अलग–अलग पीस लें। तेल गरम करके उसमें राई–जीरे का बघार लगाकर हरी मिर्च डालें। पिसे हुए टमाटर डालकर पकाएं और फिर पालक, उबले हुए मटर के दाने, स्वादानुसार सेंधा नमक, हल्दी व धनिया पाउडर डालकर पकाएं।

मैथी मटर

उबलते पानी में मटर डालकर उसे नरम होने तक पकाएं। गैस बंद करके उसमें मैथी के पत्ते डालें और 2 मिनट बाद उसे छानकर उसका पानी निथार लें। तेल गरम करके उसमें राई–जीरे का बघार लगाएं। फिर उसमें उबली मैथी, मटर, हरा धनिया, गरम मसाला, सेंधा नमक और थोड़ा पानी डालकर सब्जी को पकाएं।

हरियाला मैथी मटर

तेल में राई व जीरे का बघार लगाएं। अब मैथी, मटर व बारीक कटे टमाटर डालें। स्वादानुसार सेंधा नमक, हल्दी व धनिया पाउडर डालकर पकाएं।

PRAKASH STEELAGE LTD PRAKASH GROUPS

Mr. Prakash C. Kanugo, is the Promoter, Chairman & Managing Director of the Company. He established Prakash Steelage Ltd. in the year 1991. Prakash Steelage Ltd. is a flagship company of the Prakash Group. PSL got listed in both of the stock exchanges "BSE and NSE" in the year 2010 and engaged in the manufac- turing of welded stainless steel Pipes, Tubes, and U-tubes. Prakash Steelage Ltd. is an ISO 9001: 2008 & PED Certified Company and also a "Govt. Recognized Star Export House" exporting to several MNCs into more than 40 countries across the Globe.

The Company entered into a joint venture agreement in the year of 2015 with Tubacex S.A. Spain, a world leader in the manufacturing of seamless stainless steel tubes for its seamless division at its factory with the name of Tubacex Prakash India Pvt. Ltd. Umbergaon (Gujarat). The Joint Venture was in force till March 2021. Also, have had a Silvassa manufacturing plant since 1996.

Head Office: 101, 1st Floor, Shatrunjay Apartment, 28, Sindhi Lane, Nanubhai Desai Road, Mumbai - 400004, Maharastra, India.

Plant Survey No. 46/1, Village Kherdi, U.T. of Dadra & Nagar Haveli, Silvassa (India)

sales@prakashsteelage.com
+91-22-6613 4500

PROJECT-UMBERGAON, GUJARAT

Prakash Land Developers combines the expertise of its promoters Mr. Hemant Kanugo & Mr. Jagdish Chandan in the area of industrial plants, plot development, bungalow projects, and Commercial & residential projects across several states.

Driven by the passion to deliver high-quality projects with technical superiority and superior living experiences, Prakash Land Developers continues to exceed expectations with every project. Very close to Railway station, Jain temple, Schools, and Market place.

PREMIUM PROJECT OF UMBERGAON. ELITE. ELEGANT. EXCLUSIVE.

Regional Office: Plot No. 33 GIDC Colony, Opp. Police Station, Near Garba Madal, Umbergaon West. Umbergaon 396171 District Valsad. Gujarat.

Site Office: New Survey no. 48 & 49, At Dahad, Umbergaon Station Road, Taluka Umbergaon, Dist-Valsad, Gujarat. 396165

www.prakashprojects.com
+91 90999 41598

सन टू ह्यूमन के आगामी शिविर

आवासीय शिविर

4 दिवसीय ऊर्जा शिविर	11 दिवसीय परम नवरात्रि शिविर	18 दिवसीय कॉस्मिक विजन शिविर
आषाढ़ नवरात्रि (जून–जुलाई) ऊर्जा शिविर 1 : 16 जून से 19 जून 2023 ऊर्जा शिविर 2 : 6 जुलाई से 9 जुलाई 2023	आषाढ़ नवरात्रि (जून–जुलाई) 24 जून से 4 जुलाई 2023	आषाढ़ नवरात्रि (जून–जुलाई) 16 जून से 4 जुलाई 2023 • प्रति साधक शुल्क - ₹ 9500/-
शरद नवरात्रि (सितंबर–अक्टूबर) ऊर्जा शिविर 1 : 9 अक्टूबर से 12 अक्टूबर 2023 ऊर्जा शिविर 2 : 26 अक्टूबर से 29 अक्टूबर 2023	शरद नवरात्रि (अक्टूबर) 14 अक्टूबर से 24 अक्टूबर 2023	शरद नवरात्रि (अक्टूबर) 13 अक्टूबर से 30 अक्टूबर 2023
माघ नवरात्रि (जनवरी–फरवरी) ऊर्जा शिविर 1 : 4 फरवरी से 7 फरवरी 2024 ऊर्जा शिविर 2 : 22 फरवरी से 25 फरवरी 2024	माघ नवरात्रि (फरवरी) 9 फरवरी से 19 फरवरी 2024	माघ नवरात्रि (फरवरी) 8 फरवरी से 25 फरवरी 2024
चैत्र नवरात्रि (अप्रैल) ऊर्जा शिविर 1 : 3 अप्रैल से 6 अप्रैल 2024 ऊर्जा शिविर 2 : 21 अप्रैल से 24 अप्रैल 2024	चैत्र नवरात्रि (अप्रैल) 8 अप्रैल से 18 अप्रैल 2024	चैत्र नवरात्रि (अप्रैल) 7 अप्रैल से 24 अप्रैल 2024
प्रति साधक शुल्क - ₹ 2000/-	प्रति साधक शुल्क - ₹ 5500/-	प्रति साधक शुल्क - ₹ 9000/-

नये दृष्टिकोण वाले शिविर सुबह 2-2 घंटे

SUN TO HUMAN FOUNDATION

UPCOMING EVENTS 2023-24

आगामी शिविर

Join the camp & live the change

VRINDAVAN 19 to 21 Aug 2023	NEPAL BIRATNAGAR 1 to 3 Sep 2023	RATLAM 1 to 6 Oct 2023	BHAVNAGAR 15 to 20 Nov 2023	PUNE 19 to 24 Nov 2023	
KOLKATA 28 Nov to 3 Dec 2023	RAIPUR 22 to 27 Dec 2023	SANTACRUZ 6 to 11 Jan 2024	DURG Mid Jan (Dates yet to be decided)	BORIVALI 23 to 28 Jan 2024	
BHILWARA 15 to 20 Mar 2024	UDAIPUR 19 to 24 Mar 2024	AHMEDABAD 27 Mar to 1 Apr 2024	INDORE 16 to 21 May 2024	JAIPUR 28 May to 2 Jun 2024	JODHPUR 2 to 7 Jun 2024

✆ 8770657162 9111555553

एक ही मन्त्र हम सुधरेंगे युग सुधरेगा

एक बार भगवान ने जब इंसान की रचना की तो उसे दो पोटली दी। कहा एक पोटली को आगे की तरफ लटकाना और दूसरी को कंधे के पीछे पीठ पर। आदमी दोनों पोटलियां लेकर चल पड़ा ।हां, भगवान ने उसे ये भी कहा था कि आगे वाली पोटली पर नजर रखना पीछे वाली पर नहीं। समय बीतता गया। वह आदमी आगे वाली पोटली पर बराबर नजर रखता। आगे वाली पोटली में उसकी कमियां थीं और पीछे वाली में दुनिया की। वे अपनी कमियां सुधारता गया और तरक्की करता गया। पीछे वाली पोटली को इसने नजरंदाज कर रखा था ।एक दिन तालाब में नहाने के पश्चात, दोनों पोटलियां अदल बदल हो गई। आगे वाली पीछे और पीछे वाली आगे आ गई। अब उसे दुनिया की

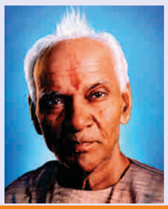

पं.श्रीराम शर्मा आचार्य

कमियां ही कमियां नजर आने लगी। ये ठीक नहीं, वो ठीक नहीं। बच्चे ठीक नहीं, पड़ोसी बेकार है, सरकार निक्कमी है आदि आदि। अब वह खुद के अलावा सब में कमियां ढूंढने लगा। परिणाम ये हुआ कि कोई नहीं सुधरा, पर उसका पतन होने लगा। वह चक्कर में पड़ गया कि ये हुआ क्या है?

वो वापस भगवान के पास गया। भगवान ने उसे समझाया कि जब तक तेरी नजर अपनी कमियों पर थी, तू तरक्की कर रहा था। जैसे ही तूने दूसरों में मीन-मेख निकालने शुरू कर दिए, वहीं से तेरा पतन शुरू हो गया ।हकीकत भी यही है कि हम किसी को नहीं सुधार सकते, हम अपने आपको सुधार ले इसी मै हमारा कल्याण है। हम सुधरेंगे तो जग सुधरेगा। हम यही सोचते है कि सबको ठीक करके ही शांति प्राप्त होगी, जबकि खुद को ठीक नहीं करते।

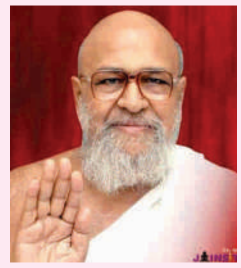

बुद्धि परतावाद और सुखवाद

किसी भी प्रवृत्ति मनुष्य की में उसकी बुद्धि प्रमुख रूप से अपना प्रभाव दिखाती है। बुद्धि परता दु:खानुभव से बचकर सुखवाद की ओर ले जाती है। दुर्बुद्धि परता सुखवाद की ओर कभी गतिमान नहीं होने देती। मस्तिष्क की विकसित स्थिति बुद्धिवाद की जनक होती है।

बुद्धिवाद यद्यपि स्वतंत्रता की दिशा का बोधक और सुखवाद की स्थिति का घोतक है, फिर भी बुद्धि परतावाद मनुष्य को वस्तु-विवेक से वंचित भी रख सकता है। सुखवाद उसे ही कहा जा सकता है, जो सम्यग्ज्ञान की पावन धारा में परिप्लावित हुआ हो।

विपरीत व्यवस्था या अपूर्ण व्यवस्था के कारण बुद्धि परतावाद के नाम पर मनुष्य की विपरीत अभिव्यक्ति भी हो सकती है।

-आचार्य जयन्तसेनसूरि

विचार संप्रेषण की आजादी

ध्यान रखें अभिव्यक्ति की आजादी कुछ सीमा के साथ मिलती है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19 अभिव्यक्ति की आ[ादी देता है, हालांकी अनुच्छेद 19 के खण्ड 2 से 6 में यह उल्लेखित है कि अभिव्यक्ति की आ[ादी का अधिकार निरपेक्ष नहीं है यानि इसकी भी कुछ सीमाएँ हैं।

अनेक विविधताओं से भरा भारत, 'अनेकता में एकता' के लिए जाना जाता है। यही एकता उसको आज़ादी की ओर ले गयी और आज, भारत अपनी आज़ादी की हीरक जयंती मना रहा है। भारत एक लोकतंत्रात्मक गणराज्य है। संविधान सभा के सदस्य 1935 में स्थापित प्रांतीय विधान सभाओं के सदस्यों द्वारा अप्रत्यक्ष विधि से चुने गए। फिर साल 1946 के दिसंबर महीने में एक संविधान सभा का गठन किया गया। कुल 02 साल 11 महीने और 18 दिनों में बनाये गए संविधान को भारत की संविधान सभा ने 26 नवम्बर 1949 को अपना कर 26 जनवरी 1950 से लागू कर दिया । इस संविधान को संविधान सभा ने बहुत गहन विचार कर और भविष्य को परख कर बनाया था।

'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' इसी संविधान का एक अंश है जो अनुच्छेद 19 के तहत भारत के सभी नागरिकों को यह आजादी देता है कि वे बिना किसी के दबाव में रहकर अपने विचार रख सके, भाषण दे सके और अपने या किसी और के विचार की चर्चा परिचर्चा कर सके ।पर क्या हम इस स्वतंत्रता का उचित लाभ उठा पा रहे हैं ? क्या यह स्वतंत्रता केवल कागजी है? मेरे विचार से नहीं। देशवासियों को उनके मौलिक अधिकारों से बोध कराता हमारा संविधान उन्हें यह पूरा अधिकार देता है कि यदि उनको सरकार या किसी संस्थान के किए गए किसी भी प्रकार के कार्य से आपत्ति है, तो वे तर्क सहित उसका विरोध करें और उस कार्य में बदलाव या उसे वापस लेने की माँग करें।

यहाँ यह आवश्यक है कि विचारक मन से मज़बूत रहे अर्थात अपनी बात पर अडिग रहना जरूरी है क्योंकि यदि आप सही राह दिखाएँगे तो आप पर उँगली उठाने वाले दस खड़े हो उठेंगे अर्थात एक व्यक्ति की बात दूसरा व्यक्ति दबाने की कोशिश करेगा या उसकी बात की गलत व्याख्या निकाल, उसे डरायेगा , धमकायेगा । बहुत बार ऐसा भी होता है कि अगर किसी वक्ता की बात श्रोताओं को उचित नहीं लगती है तो वे उग्र हो जाते हैं और सरकार को दोष देने लगते हैं और कहने लगते हैं कि हमारे पास तो अभिव्यक्ति की कोई स्वतंत्रता ही नहीं ।जबकि श्रोताओं को वक्ता की बात को केवल विचार के रूप में लेना चाहिए। यह भी जरूरी है कि विचारक केवल अपने तथ्यों को सामने रखे, न कि उससे श्रोताओं को उकसाये।

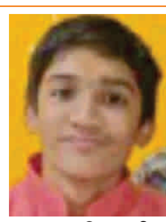

मानस बिन्नानी
उम्र -16
बीकानेर -334003

हम सिनेमा जगत को अभिव्यक्ति की आज़ादी का एक सशक्त उदाहरण मान सकते हैं। साथ ही साथ, इससे बड़ी क्या बात कि हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी ने मन की बात के माध्यम से देश के युवा वर्ग या अन्य वर्ग को एक मंच प्रदान कर उन्हें अभिव्यक्ति के अधिकार से वंचित नहीं रहने दिया।

ध्यान रखें अभिव्यक्ति की आजादी कुछ सीमा के साथ मिलती है। भारतीय संविधान का अनुच्छेद 19 अभिव्यक्ति की आज़ादी देता है, हालांकी अनुच्छेद 19 के खण्ड 2 से 6 में यह उल्लेखित है कि अभिव्यक्ति की आज़ादी का अधिकार निरपेक्ष नहीं है यानि इसकी भी कुछ सीमाएँ हैं।

अब निष्कर्ष के तौर पर यही बताना चाहूँगा कि 'अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता न होने पर हम आजाद रहकर भी गुलाम हैं' और इसी दृष्टांत के साथ अब मैं यह आग्रह करना चाहूँगा कि प्रत्येक भारतीय का कर्तव्य है कि वह अपनी अभिव्यक्ति के अधिकार को सुरक्षित एवं गरिमामय रखे ।

मारवाड़ चेतना
नि :शुल्क प्राप्त करें

यदि आप **मारवाड़ चेतना** अपने वाट्सअप पर नि:शुल्क प्राप्त करना चाहते हैं तो हमारा मोबाईल नं. 9820738681 आपके मोबाईल में मारवाड़ चेतना के नाम से सेव कर लें व व्हाट्सअप पर हमें इसी नंबर पर अपना नाम, पता, मूल निवासी आदि लिखकर भेज दें। उसके बाद आपको हर सप्ताह व्हाट्सअप पर मारवाड़ चेतना प्राप्त होता रहेगा।

अहंकार और प्रेम

हमारे भीतर कोई प्रेम नहीं हो सकता है, क्योंकि हम खोजेंगे तो हम पाएंगे कि हमारे भीतर 'मैं' का स्वर चौबीस घंटे बज रहा है। हम श्वास लेते हैं तो 'मैं' के साथ, हम पानी पीते हैं तो 'मैं' के साथ। हम रास्ते पर चलते हैं तो 'मैं' के साथ। हम मंदिर में प्रवेश करते हैं तो 'मैं' के साथ। मैं के अतिरिक्त हमारे जीवन में और क्या है?

गतांक से जारी...

हमारे वस्त्र, हमारे 'मैं' के वस्त्र हैं। हमारे पद, हमारे 'मैं' के पद हैं। हमारा ज्ञान, हमारे 'मैं' का ज्ञान है। हमारी तपश्चर्या, हमारी सेवा, हमारे 'मैं' की सेवा है। हमारा सब—कुछ; हमारा संन्यास भी हमारे 'मैं' का संन्यास है।'मैं' संन्यासी हूं ऐसा स्वर भीतर तीव्रता से उठता रहता है।'मैं' कोई गृहस्थ नहीं हूं 'मैं' कोई साधारणजन नहीं हूं; 'मैं' संन्यासी हूं 'मैं' सेवक हूं 'मैं' ज्ञानी हूं 'मैं' धनी हूं 'मैं' यह हूं 'मैं' वह हूं। लेकिन यह जो 'मैं' के आस पास खड़ा किया हुआ भवन है, यह प्रेम से अपरिचित रह जाएगा। और तब हृदय की वीणा पर वह संगीत पैदा नहीं हो सकेगा जो प्राणों को प्राणों के पास ले जाए, जो प्राण के केंद्र में ले जाए, जो जीवन के मध्य में ले जाए, जो जीवन के सत्य से परिचित करा दे, वह द्वार ही नहीं खुलेगा, वह द्वार ही बंद रह जाएगा।

ओशो

यह बात केंद्रीय रूप से समझ लेने की है कि आपका 'मैं' कितना वजनी है, कितना गहरा है! और कहीं ऐसा तो नहीं है कि आप उसको और वजन दिए जाते हैं? और गहरा किए जाते हैं, रोज—रोज उसको मजबूत किए जाते हैं? अगर आप उसको मजबूत किए चले जा रहे हैं अपने ही हाथों से, तो फिर आप यह आशा छोड़ दें कि आपके भीतर प्रेम, प्रेम का आविर्भाव हो सकता है! वह प्रेम की बंद गांठ खुल सकती है, वह प्रेम की संपदा उपलब्ध हो सकती है! फिर यह खयाल ही छोड़ दें। फिर इसमें कोई उपाय नहीं है।

खजूर का बगीचा स्थापित करने के लिए सरकार दे रही है 75 प्रतिशत तक का अनुदान

अनुदान पर खजूर का बगीचा स्थापित करने हेतु अनुदान योजना

देश में किसानों की आमदनी बढ़ाने के लिए सरकार द्वारा बागवानी फसलों के उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है। इस कड़ी में राजस्थान सरकार राज्य में खजूर के बगीचे लगाने हेतु किसानों को प्रोत्साहित करने के लिए भारी अनुदान दे रही है। राजस्थान उद्यान विभाग द्वारा राष्ट्रीय कृषि विकास योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2023-24 में टिश्यूकल्चर तकनीक एवं ऑफशूट से उत्पादित खजूर पौधे रोपण करने के लिए राज्य के 17 जिलों का चयन किया गया है। योजना के बारे में अधिक जानकारी देते हुए सहायक निदेशक उद्यानिकी, जैसलमेर ने बताया कि किसानों को न्यूनतम 0.5 हेक्टेयर से अधिकतम 4 हेक्टेयर क्षेत्रफल तक खजूर का बगीचा स्थापित करने पर अनुदान दिया जाएगा। खजूर पौधरोपण के लिए प्रति हेक्टेयर 148 मादा पौधे व 8 नर पौधों की आवश्यकता होगी। खजूर की मादा किस्मों जैसे बरही, खूनेजी, मेडजूल, खलास, सगई, जामली, खदरावी एवं हलावी तथा नर किस्मों जैसे कि अल-इन-सिटी व घनामी पर ही अनुदान दिया जाएगा।

खजूर के पौधों पर दिया जाने वाला अनुदान

चयनित जिलों के किसान खजूर बगीचे की स्थापना ऑफशूट अथवा टिश्यू कल्चर से तैयार पौधों से कर सकते है। वहीं खजूर बगीचा स्थापना के लिए ड्रिप संयंत्र स्थापित करना अनिवार्य होगा, ड्रिप संयंत्र पर विभागीय दिशाङ्कनिर्देशानुसार पृथक से अनुदान दिया जाएगा। टिश्यू कल्चर तकनीक से उत्पादित खजूर पौध रोपण करने पर किसानों को प्रति पौधा 3000 रुपये या प्रति पौधा इकाई लागत का 75 प्रतिशत जो भी कम हो, अनुदान दिया जायेगा। ऑफशूट खजूर प्रति पौधा खरीद मूल्य 1000 रुपये का 75 प्रतिशत एवं जड़ विकसित/जमाव उपरांत प्लास्टिक थैली सहित खजूर पौधे के खरीद मूल्य 1500 रुपये का 75 प्रतिशत अनुदान दिया जायेगा।

किसान यहाँ से ले सकते है खजूर के पौधे

आवेदन करने के बाद यदि किसान का चयन हो जाता है तब किसान राजकीय फार्म सगरा भोजका, जैसलमेर, मेकेनाइज्ड कृषि फ़ार्म, खारा, बीकानेर व राज्य के कृषि विश्विद्यालयों से तथा ऐसे कृषक जिन्होंने पूर्व में खजूर के बगीचे स्थापित किये है तथा गुणवत्तायुक्त ऑफशूट उपलब्ध कराने में सक्षम है, से ऑफशूट पौधे प्राप्त कर सकते है।

टिश्यू कल्चर के पौधे कृषक डिपार्टमेंट ऑफ़ बायोटेक्नोलॉजी से एक्रिडिएटेड प्रयोगशालाओं, अतुल राजस्थान डेटपाम लिमिटेड, चोपासनी, जोधपुर तथा विभाग द्वारा निविदा उपरांत चयनित आपूर्तिकर्ता फर्म यथा नेकॉफ तथा एनएफसीडी से ले सकते है। खजूर का बगीचा स्थापित करने के लिए इच्छुक कृषकों को निर्धारित प्रारूप में आवेदन करना होगा एवं किसानों का पंजीयन 'पहले आओङ्कपहले पाओ' के आधार पर किया जाएगा। योजना से जुड़ी अधिक जानकारी के लिए किसान अपने जिले के उद्यानिकी विभाग में संपर्क कर सकते हैं।

आवेदन के लिए आवश्यक दस्तावेज

किसानों को योजना का लाभ लेने के लिये अपने फोटो सहित आवेदन पत्र के साथ आवश्यक दस्तावेज जैसे शपथ पत्र, खेत की जमाबंदी, नक्शा ट्रेस, स्थाई सिंचाई स्रोत का प्रमाण पत्र, पृथक से ड्रिप संयंत्र स्थापित करने का प्रमाण, मिट्टीङ्कपानी की जाँच रिपोर्ट, बैंक पासबुक की प्रति, आधार कार्ड/जनाधार कार्ड/भामाशाह कार्ड संलग्न करने अनिवार्य होंगे। योजना का लाभ लेने के इच्छुक किसानों को आगामी 7 दिनों में आवश्यक दस्तावेजों सहित आवेदन पत्र तैयार करके कार्यालय उपनिदेशक उद्यान में पंजीयन करवाना होगा।

पहले कलेक्टर का किया अभिनंदन

बालोतरा में जिला बनने पर खुशी, कलेक्टर ने कहा-तेजी से करवाएंगे विकास के कार्य

मारवाड़ चेतना न्यूज नेटवर्क

बालोतरा। बालोतरा शहर में मंगलवार को नगर परिषद सभापति व समस्त भाजपा पार्षदों ने नवनिर्वाचित कलेक्टर राजेंद्र विजय का स्वागत अभिनंदन किया।

दरअसल, कल देर रात विशेष अधिकारियों का प्रमोशन करके कलेक्टर बना दिया। इसको लेकर लगातार बालोतरा क्षेत्र वासियों में खुशी का माहौल है। इसको देखते हुए बालोतरा नगर परिषद सभापति सुमित्रा देवी जैन तथा नगर परिषद के भाजपा पार्षदों ने कलेक्टर राजेंद्र विजय का स्वागत किया।

इस दौरान कलेक्टर राजेंद्र विजय ने कहा कि बालोतरा की हर जन तक जुड़ना मेरा प्रथम प्राथमिकता रहेगी। इस दौरान वरिष्ठ पार्षद हनुमान पालीवाल, रोहित पी राजेश, रामचंद्र डांगी, बाबूलाल चौधरी, कांतिलाल घांची, पुष्पराज चोपड़ा, संपत धरी, कांतिलाल हुण्डिया, सुनील वैष्णव, रमेश पुरी, घेवर भील सवाई सुथार सहित तमाम पार्षद उपस्थित थे।

सिंचाई एवं खाद प्रबंधन की इस नई तकनीक पर सरकार किसानों को देगी 75 प्रतिशत की सब्सिडी

न्यू जनरेशन टेक्नोलॉजी ऑटो सेंसर्स एवं फर्टिगेशन पर अनुदान कृषि क्षेत्र में किसानों की आमदनी बढ़ाने और फसलों की लागत कम करने के लिए नई-नई तकनीकें ईजाद की जा रही है। इन नई तकनीकों का लाभ अधिक से अधिक किसानों को मिल सके इसके लिए सरकार द्वारा किसानों को भारी अनुदान दिया जाता है। इस कड़ी में राजस्थान सरकार ने न्यू जनरेशन टेक्नोलॉजी ऑटो सेंसर्स एवं फर्टिगेशन के प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए किसानों को अनुदान देने का निर्णय लिया है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री श्री अशोक गहलोत ने वर्ष 2023-24 के बजट में इस संबंध में घोषणा की थी। जिसके अनुसार की योजना को मंजूरी दी गई है। योजना का लाभ राज्य के 10 हजार किसानों को दिया जाएगा। जिस पर सरकार अनुदान के तौर पर 21 करोड़ रुपये खर्च करेगी। ऑटो सेंसर्स एवं फर्टिगेशन पर कितना अनुदान (Subsidy) दिया जाएगा मुख्यमंत्री ने राज्य के 10 हजार किसानों को न्यू जनरेशन टेक्नोलॉजी ऑटो सेंसर्स एवं फर्टिगेशन के प्रयोग के लिए 75 प्रतिशत अनुदान दिए जाने के प्रस्ताव को स्वीकृति दी है। प्रस्ताव के अनुसार, किसानों को अपनी कृषि भूमि में पोषक तत्वों की विशिष्ट आवश्यकताओं के प्रबंधन एवं फलदार पौधों की जलमांग की सटीक जानकारी उपलब्ध कराने के लिए उन्नत तकनीकों के प्रयोग हेतु लगभग 21 करोड़ रुपए का अनुदान दिया जाएगा। यह भी पढ़ें सरकार ने टमाटर के भाव में की कटौती, अब इस भाव पर मिलेंगे टमाटर सरकार के इस निर्णय से किसानों को अपनी भूमि की उर्वरा शक्ति बनाए रखने तथा बढ़ाने में सहायता मिलेगी। साथ ही, फलदार पौधों के लिए जल मांग की सटीक जानकारी मिलने से किसान उचित रूप से सिंचाई करके बेहतर पैदावार प्राप्त कर सकेंगे। इससे किसान तकनीकी रूप से सुदृढ़ हो सकेंगे तथा उनकी आय में भी वृद्धि होगी।

मारवाड़ चेतना
माघ कॉलोनी, भीनमाल, जिला जालोर (राज.) फोन: 02969-220344
मुंबई ऑफिस: 605, ओरियन बिल्डिंग, रेलवे बेकरी के सामने,
ग्रांट रोड पूर्व, मुंबई-400 007
मोबाईल: 9820738681 marwarchetna01@gmail.com

डाक पंजीयन:
RJ/SRO/9636/**2021-2023**
R.N.I. No. 54501/91

लंदन में साकार हुई भारतीय संस्कृति

रंग-बिरंगी साड़ियां पहनकर 500 महिलाओं ने किया वॉकथॉन

मारवाड़ चेतना न्यूज नेटवर्क

जोधपुर। देश के विविध राज्यों के परिधानों की एक झलक रविवार को लंदन में भी नजर आई। महिलाओं ने जब रंग बिरंगी साड़ियों में कदमताल की तो विदेशी भी इन पलों को कैमरे में कैद करने लगे। मौका था राष्ट्रीय हथकरघा दिवस पर सात समंदर पार लंदन में रविवार को साड़ी वॉकथॉन का। इसमें भारत के विभिन्न राज्यों की 500 से अधिक महिलाओं ने हिस्सा लेकर देश के विभिन्न राज्यों के हैंडलूम कला को प्रदर्शित किया।

साड़ी वॉकथॉन की शुरुआत लंदन के ट्राफलगर स्क्वायर से हुई। यहां प्राइम मिनिस्टर के निवास स्थान डाउनिंग स्ट्रीट तक पहुंचकर कश्मीर से कन्या कुमारी गाने पर सभी ने डांस किया तो भारतीय संस्कृति जीवंत हो उठी।

राजस्थान प्रदेश की समन्वयक राखी सिंह गहलोत ने बताया इस वॉकथॉन से इकट्ठा हुए फंड को भारत के बुनकरों को दिया जाएगा। इस इवेंट को लेकर 25 महिलाओं का ग्रुप पिछले 2 महीने से तैयारी कर रहा था। इस तरह के कार्यक्रम हमें देश की मिट्टी से जोड़े रखते हैं। कार्यक्रम का उद्देश्य भारतीय पहचान को बढ़ावा देना और बुनकरों की कला का विश्व स्तर पर प्रदर्शन करना है।

कार्यक्रम में शामिल हुई डॉ. दीप्ति जैन ने बताया कि साड़ी एक ऐसा परिधान है, जो कभी फैशन से बाहर नहीं हो सकता। इससे पहले भी उनका ग्रुप रॉयल एस्कॉट में साड़ी पहनकर गया था। जिसकी काफी सराहना हुई। इस कार्यक्रम के लिए भी देश के विभिन्न राज्यों की महिलाएं शामिल हुई।

महिलाओं का ग्रुप बुनकरों की बनाई रंग बिरंगी साड़ियां पहनकर पहुंचा तो भारतीय संस्कृति साकार हो उठी।

महिलाओं का ग्रुप बुनकरों की बनाई रंग बिरंगी साड़ियां पहनकर पहुंचा तो भारतीय संस्कृति साकार हो उठी।

लंदन में हैंडलूम साड़ियों का व्यापार करने वाली डिंपल कल्ला ने बताया हमने राजस्थान के कोटा डोरिया, लहरिया, बांधनी, सांगानेरी, बाड़मेरी, बाबू प्रिंट की साड़ियां पहनकर राजस्थानी घूमर और हिवड़े में है राजस्थान गाने पर डांस भी किया। कार्यक्रम में भारत के उच्चायोग के अधिकारी भी मौजूद रहे।

500 करोड़ में री-डेवलप होगा जोधपुर रेलवे स्टेशन

हेरिटेज लुक बना रहेगा, 4 मंजिला इमारत में होगी कई सुविधाएं

मारवाड़ चेतना न्यूज नेटवर्क

जोधपुर। जोधपुर के रेलवे स्टेशन का हेरिटेज रूप बरकरार रखते हुए 500 करोड़ रुपए में रिनोवेशन काम करवाया जाएगा। इसका शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल रूप से किया। जोधपुर रेलवे स्टेशन पर इस दौरान मौजूद केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत और भाजपा के नेता।

केंद्र सरकार की अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत उत्तर-पश्चिम रेलवे के जोधपुर मंडल में जोधपुर, जैसलमेर रेलवे स्टेशन सहित 15 रेलवे स्टेशनों का री-डेवलपमेंट होगा। रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्चुअल कार्यक्रम में देश के 508 रेलवे स्टेशनों का पुनर्निर्माण करने के लिए शिलान्यास किया। जोधपुर के कई शिलान्यास और लोकार्पण कार्यक्रम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से करवाना प्रस्तावित है। उसी दौरे पर यह शिलान्यास भी होना था, लेकिन फिलहाल अभी तक पीएम उसे तारीख तय नहीं हो पाई। इसी कारण यह बड़ी सौगात वर्चुअल रूप से दी गई।

पहले चरण में इन 15 रेलवे स्टेशन पर 272 करोड़ रुपए खर्च होंगे। इसके साथ ही इन स्टेशनों के आधुनिकीकरण का कार्य चरणबद्ध तरीके से शुरू किया गया है। जोधपुर मुख्य रेलवे स्टेशन पर हुए कार्यक्रम में भाजपा के कई बड़े नेताओं और रेलवे के अधिकारियों ने शिरकत की।

डीआरएम पंकज कुमार सिंह ने बताया कि अमृत स्टेशन योजना के तहत देश के एक हजार छोटे लेकिन महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों के विकास की कार्य योजना के तहत जोधपुर मंडल के 15 रेलवे स्टेशनों को शामिल किया गया है। जिनके पुनर्विकास व यात्रियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगभग 272 करोड़ रुपए व्यय किए जाएंगे। योजना के प्रथम चरण में स्टेशन कार्यालयों को शिफ्ट किया जाएगा। जोधपुर मंडल के 15 प्रमुख स्टेशन नागौर, नोखा, बाड़मेर, मेड़ता रोड, मारवाड़, भीनमाल, डीडवाना, गोटन, सुजानगढ़, जालोर, रामदेवरा, बालोतरा, रेण, फलोदी, डेगाना और देशनोक शामिल है।

जोधपुर स्टेशन पर होंगे ये विकास काम

जोधपुर रेलवे स्टेशन का रेनोवेशन शुरू हो चुका है। ये स्टेशन 3 साल में बनकर तैयार होगा। 474.52 करोड़ की लागत से स्टेशन की बिल्डिंग को डेवलप किया जाएगा। मल्टी लेवल पार्किंग एरिया के साथ सेंट्रलाइज एयर कंडीशनर भवन आधुनिक सुविधा से लैस होगा। इस नए स्टेशन में 35 लिफ्ट और 16 एस्केलेटर से किसी भी प्लेटफार्म पर आसानी से पहुंच पाएंगे। 4 स्टोरी स्टेशन पर पार्किंग फैसिलिटी के अलावा रेस्टोरेंट, कैफेटेरिया आदि होगा। वर्तमान में रेलवे स्टेशन पर 48 हजार 134 यात्री रोजाना पहुंचते हैं। नया भवन बनने के बाद क्षमता दोगुनी हो जाएगी। 92 हजार 43 लोगों का फुट फॉल रहेगा।

स्टेशन की ऐतिहासिक पहचान कायम रहेगी

शेखावत ने कहा कि अमृत भारत रेलवे स्टेशन योजना के तहत जोधपुर रेलवे स्टेशन की ऐतिहासिक पहचान कायम रखी जाएगी। साथ ही 20 करोड़ की लागत से फलोदी, 18 करोड़ की लागत से रामदेवरा को भी अपग्रेड किया जा रहा है। जोधपुर के करीब 138 साल पुराने रेलवे स्टेशन के कायाकल्प का सपना अब साकार हो रहा है। इससे जोधपुरवासियों में खुशी की लहर है।